उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

हरिद्वार, देहरादून से प्रसारित

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र

आपका विश्वास हमारी पहचान

वर्ष: 4 अंक : 256 पृष्ठ : 06 मूल्य 2 रुपये देहरादून, गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 UTTHIN/2022/84700 manasvivani@gmail.com @manasvi_vani 8285002838

दिखेंगे कई बदलाव, विशेष पूजा कराने के लिए लागू होंगी शुल्क की बढ़ी हुई दरें

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए तैयारियां पूरी हो गई हैं। खास बात यह है कि इस बार यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों को व्यवस्थाओं में कई बदलाव दिखेंगे। यात्रा का आगाज 19 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने से होगा। 22 अप्रैल को केदारनाथ व 23 अप्रैल को बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुलने से चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से संचालित होगी। देश दुनिया से बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए उत्तराखंड तैयार है। प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है। अब तक यात्रा के लिए 17.28 लाख तीर्थयात्री ऑनलाइन पंजीकरण कर चुके हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस बार भी चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों का रिकॉर्ड बनेगा।

चारधाम में दर्शन के लिए नहीं रहेगी अधिकतम संख्या की शर्त

सरकार ने इस बार चारधाम में प्रतिदिन दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की अधिकतम संख्या की व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। बीते वर्ष धामों में भीड़ नियंत्रण के लिए धारण क्षमता के आधार पर अधिकतम संख्या तय की गई थी। इस बार यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं को सरकार ने दर्शन कराने का प्लान बनाया है।

मंदिर में फोन नहीं ले जा सकेंगे श्रद्धालु

बदरी–केदार मंदिर समिति ने धामों की पवित्रता व दर्शन करने के बाद मंदिर परिसर में लगने वाली भीड़ को देखते हुए मोबाइल फोन को प्रतिबंधित किया है। बदरीनाथ व केदारनाथ मंदिर में यह व्यवस्था लागू होगी। दोनों मंदिर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा मंदिर परिसर में रील बनाने, वीडियोग्राफी करने पर रोक रहेगी। मोबाइल रखने के लिए बीकेटीसी की ओर से क्लॉक रूम की सुविधा दी जाएगी।

बदरी–केदार मंदिर में विशेष पूजा महंगी

बीकेटीसी ने इस बार बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में विशेष पूजा शुल्क में बढ़ोतरी की है। अब बदरीनाथ धाम में श्रीमद्भागवत कथा कराने के लिए एक लाख रुपये का शुल्क लिया जाएगा। जबकि केदारनाथ धाम में दिन भर की पूजा के लिए 51 हजार रुपये शुल्क देना पड़ेगा। इसके अलावा भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष पूजाएं रात के समय कराई जाएंगी। दिन में समय श्रद्धालुओं को सामान्य दर्शन कराए जाएंगे।चारधाम यात्रा राज्य के अर्थव्यवस्था व रोजगार की रीढ़ है। यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उत्तराखंड तैयार है। किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षित व सुगम यात्रा सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधा मिले, जिससे वापस जाने के बाद देवभूमि के प्रति एक अच्छा संदेश लेकर जाएं ।–पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

ओएनजीसी के रिटायर्ड बुजुर्ग से 1.87 करोड़ रुपये की ठगी, जालसाजों ने निवेश के नाम पर फंसाया

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। निवेश के नाम पर जालसाजों ने ओएनजीसी से रिटायर्ड बुजुर्ग से करीब 1.87 करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाना देहरादून में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साइबर पुलिस ने बुधवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

राजेंद्र नगर कौलागढ़ रोड निवासी 70 वर्षीय दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने साइबर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वर्ष 2016 में ओएनजीसी से सेवानिवृत्त हुए थे। 31 जनवरी 2026 को उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप संदेश आया, जिसके बाद खुद को निवेश सलाहकार बताने वाली एक महिला ने संपर्क किया। महिला ने खुद को आदित्य बिरला सन लाइफ से जुड़ा अधिकारी बताते हुए उन्हें एक निवेश योजना की जानकारी दी।

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा, जहां शेयर ट्रेडिंग से जुड़े फर्जी मुनाफे और स्क्रीनशॉट दिखाकर भरोसा दिलाया गया। बाद में उन्हें एक वीआईपी ग्रुप में शामिल कर हाई नेटवर्थ ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाने के लिए प्रेरित किया गया। आरोपियों ने खुद को अधिकृत बताते हुए एक कथित सेबी रजिस्ट्रेशन नंबर भी साझा किया।

गैंगस्टर विक्रम शर्मा हत्याकांडरू पांच आरोपियों के घरों में कुर्की के नोटिस चस्पा, करीबियों से की पूछताछ

शुरुआत में उन्होंने 49 हजार रुपये निवेश किए। खाते में दिख रहे फर्जी मुनाफे से प्रभावित होकर उन्होंने धीरे–धीरे अलग–अलग बैंक खातों से कुल एक करोड़, 17 लाख 64 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके अलावा आरोपियों ने ब्रोकरेज शुल्क के नाम पर 70 लाख रुपये और जमा कराए। इसके बाद जब उन्होंने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पहले एक करोड़ रुपये ब्रोकरेज और फिर एक करोड़ रुपये आयकर के नाम पर जमा करने का दबाव बनाया। इस पर उन्हें ठगी का शक हुआ। इसके बाद उन्होंने नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई और बाद में साइबर क्राइम थाना देहरादून में तहरीर दी। पीड़ित ने शिकायत में दीया मेहरा, अनन्या शास्त्री और खुद को प्रोफेसर ए. बालासुब्रमण्यम बताने वाले एक व्यक्ति सहित अन्य अज्ञात को आरोपी बनाया है। एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विद्यार्थियों ने नैनीताल जू का भ्रमण किया

मनस्वी वाणी संवाददाता

नैनीताल। द होली एकेडमी स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षिकाओं ने शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत नैनीताल स्थित पंडित गोविंद वल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) का दौरा किया। भ्रमण के दौरान बच्चों ने बाघ, मोर, भालू आदि वन्यजीवों को बेहद करीब से देखा और उनके प्राकृतिक आवास के बारे में जानकारी प्राप्त की। चिड़ियाघर में मोर और बाघ मुख्य आकर्षण रहे जिनका दीदार कर बच्चे अत्यंत उत्साहित और आनंदित नजर आए।

क्लास में चक्कर खाकर गिरे मासूम ने तोड़ा दम

नैनीताल। हल्द्वानी के फतेहपुर स्थित निजी स्कूल में बुधवार मासूम बच्चों के सामने उनका एक साथी चक्कर खाकर गिरा और फिर नहीं उठा। स्कूल प्रबंधन की सूचना पर माता–पिता पहुंचे और उसे मुखानी के निजी अस्पताल ले गए। यहां से उसे एसटीएच रेफर किया गया लेकिन वहां पहुंचने तक उसकी मौत हो गई। परिवार वालों के आवेदन पर मजिस्ट्रेट ने पोस्टमार्टम न करने की अनुमति दी। फतेहपुर निवासी 12 वर्षीय बालक क्षेत्र के एक निजी स्कूल में कक्षा सात का छात्र था। तीन दिन से उसे चक्कर आने की शिकायत थी। परिवार वालों ने उसका इलाज भी कराया। बुधवार को बच्चे ने मां से स्कूल जाने की जिद की। इस पर घर वालों ने उसे स्कूल भेज दिया। परिवार वालों को आभास भी नहीं था कि उनके जिगर का टुकड़ा अब नहीं लौटेगा। कक्षा में पढ़ाई के दौरान बच्चा चक्कर आने के कारण गिर गया। बच्चों के शोर मचाने पर पूरा स्टाफ कक्षा कक्ष में पहुंच गया। तत्काल उसके माता–पिता को बुलाया गया। परिजन बच्चे को लेकर मुखानी स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। यहां से उसे रेफर कर दिया गया। बच्चे को एसटीएच लाया गया लेकिन यहां लाने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मिलकर शव का पोस्टमार्टम न कराने की मांग की। परिजनों की मांग पर सिटी मजिस्ट्रेट ने पोस्टमार्टम न कराने का आदेश जारी किया। पोस्टमार्टम हाउस के स्ट्रेचर पर बच्चे का शव पड़ा था उससे लिपटकर मां रो रही थी। बच्चे का नाम लेकर उसे उठा रही थी। उसके आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। इस दृश्य को जिसने भी देखा उसकी आंखें नम हो गईं। मां ने एक हाथ के सिर के नीचे लगाया था और दूसरे हाथ से उसके गाल, आंख को सहलाते हुए उसे उठाने की कोशिश कर रही थी।

लोकपाल के फैसले पर पलटा निर्णय, शिकायतकर्ता को राहत

मनस्वी वाणी संवाददाता

कालाढूंगी। विकासखंड कोटाबाग की ग्राम पंचायत बांसी से जुड़े एक मामले में राज्य लोकपाल अपील प्राधिकरण, देहरादून ने शिकायतकर्ता पर लगाया 51 हजार का जुर्माना निरस्त कर दिया है। यह जुर्माना पहले नैनीताल मनरेगा की लोकपाल ने लगाया था। शिकायतकर्ता भूपेंद्र बिष्ट और अनिल कुमार ने बांसी ग्राम पंचायत में लंबे समय से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उनके मुताबिक लोकपाल अधिकारी नैनीताल ने गलत शिकायत करने का आरोप लगाते हुए शिकायतकर्ताओं पर 51 हजार का अर्थदंड लगाया था। अपील प्राधिकरण देहरादून में सुनवाई के बाद उनके पक्ष में निर्णय आया। उनके मुताबिक सोशल ऑडिट रिपोर्ट में विकासखंड कोटाबाग में कार्यशैली के प्रति अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया है। प्रकरण के बाद शिकायतकर्ता और अन्य ग्रामीणों ने संबंधित लोकपाल के खिलाफ कार्रवाई और उन्हें पद से हटाने की मांग की है। आरटीआई कार्यकर्ता कमल बोहरा समेत अन्य ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरि गोस्वामी ने कहा कि लोकपाल उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। वह अपने निर्णय लेने में खुद ही सक्षम हैं।

बीडी पांडे अस्पताल में पेट में दिक्कत और वायरल के रोगी बढ़े

नैनीताल। बढ़ती गर्मी और खानपान में लापरवाही के कारण नैनीताल के बीडी पांडे अस्पताल में बुधवार को मरीजों की लंबी कतारें देखी गईं। ओपीडी में 537 मरीज पहुंचे जिनमें पेट संबंधी, उल्टी–दस्त और वायरल के मामले अधिक थे। बुधवार को बीडी पांडे अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। पर्ची काउंटर से ओपीडी तक लंबी कतारें देखी गईं। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि गर्मी बढ़ने से मरीजों की संख्या बढ़ी है। पेट दर्द, उल्टी–दस्त, फूड प्वाइजनिंग और वायरल के मरीज अधिक हैं।

वाहनों की गिनती के लिए गठित होगी डाटा विश्लेषण टीम, आकलन के बाद बनेगी यातायात रणनीति

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। दून–दिल्ली एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद यातायात पुलिस ने अगली चुनौतियों पर पार पाने के लिए रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। जल्द ही एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहनों की गिनती शुरू की जाएगी। इसमें टोल बैरियर के डाटा को भी शामिल किया जाएगा। सामान्य दिनों और फिर सप्ताहांत (वीकेंड) में आने वाले वाहनों की संख्या पता करने के बाद ही देहरादून शहर के लिए एक विशेष यातायात प्लान तैयार किया जाएगा। इससे भविष्य में लगने वाले जाम से बचने की कोशिश की जा सकेगी। वाहनों की गिनती के लिए यातायात पुलिस एक विशेष डाटा विश्लेषण टीम का गठन करने जा रही है। यह टीम एक्सप्रेसवे के मुहाने पर वाहनों की हर घंटे गिनती करेगी। इसमें पीक आवर के समय को भी शामिल किया जाएगा। रात और दिन के आधार पर वाहनों का डाटा इकट्ठा किया जाएगा। प्रत्येक घंटे आने वाले वाहनों का डाटा नोट करते हुए यह टीम संबंधित कंट्रोल रूम और डायवर्जन प्वाइंट पर तैनात अधिकारियों को सूचित करेगी। इससे समय–समय पर यातायात के दबाव को कम करने में मदद मिल सकेगी। एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने बताया कि फिलहाल एक सप्ताह तक टीम वाहनों का डाटा इकट्ठा करेगी। यह टीम टोल बैरियर के संपर्क में भी रहेगी। इसके बाद हर सप्ताह एक प्लान बनाया जाएगा ताकि शहर को जाम से बचाया जा सके। एसपी ट्रैफिक के अनुसार वाहनों के प्रवाह के आधार पर ही भविष्य में एक रणनीति बनाई जा सकती है। भारी और हल्के वाहनों का अलग–अलग डाटा इसमें इकट्ठा किया जाएगा। भारी वाहनों के लिए जो समय सीमा शहर में बनी हुई है उसमें भी बदलाव इसी डाटा के आधार पर किया जा सकता है।

ड्रोन के माध्यम से भी की जाएगी निगरानी

एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहनों की निगरानी ड्रोन के माध्यम से भी की जाएगी। इसके माध्यम से यातायात का लाइव फीड लेकर कंट्रोल रूम को सूचित किया जाएगा। ताकि समय रहते एक यातायात प्लान तत्काल बनाया जा सके। इस प्लान को विभिन्न माध्यमों से प्रसारित किया जाएगा। इसमें यातायात रूट, पार्किंग, डायवर्जन स्थल की जानकारी सोशल मीडिया, एफएम और एलईडी सूचना बोर्ड के माध्यम से प्रसारित की जाएगी।

गैस बुकिंग के बाद डीएसी नंबर न मिलने पर सभासद ने उठाए सवाल

नैनीताल। नगर पालिका नैनीताल के वार्ड–आठ अयारपाटा के सभासद मनोज साह जगाती ने पर्वत गैस सर्विस को ज्ञापन सौंपकर गैस बुकिंग से जुड़ी गंभीर समस्या उठाई है। उन्होंने पर्वत गैस एजेंसी की प्रबंधक को ज्ञापन देते हुए कहा कि अप्रैल में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग के बाद भी डीएसए नंबर प्राप्त नहीं हो रहे हैं। एक अप्रैल से नौ अप्रैल के बीच जिन उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कराई, उन्हें डीएसी नंबर नहीं मिला जबकि नौ अप्रैल के बाद बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को डीएसी नंबर जारी हो गए। इस विसंगति के चलते पहले बुकिंग करने वाले उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो वह जनप्रतिनिधि होने के नाते गैस एजेंसी के कार्यालय के बाहर धरना देने के लिए मजबूर होंगे।

कॉलोनी बनाने के लिए 12 बीघा बगीचे में 60 पेड़ों पर चला दी आरी, बगीचा स्वामी के खिलाफ FIR दर्ज

नैनीताल। रामनगर में बिल्डर कॉलोनी के लिए पेड़ों पर आरी चलाने से भी नहीं चूक रहे हैं। नगर के फल पट्टी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेड़ाझाल में मंगलवार को भू–माफिया ने लगभग 12 बीघे में खड़े आम, लीची के फलदार पेड़ों पर आरी चला दी। सूचना पर वन विभाग ने मौका मुआयना किया। आम पोखरा के रेंजर पूरन सिंह खनायत ने बताया कि कुल 60 पेड़ों को काटने की पुष्टि हुई है। इसमें 48 आम और लीची के 12 पेड़ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मामले में बगीचा स्वामी तब्बर और कटान कर रहे तेलीपुरा निवासी इकबाल के खिलाफ एच–2 केस काटने की कार्रवाई की गई है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार अवैध कटान के मामले में वन विभाग को केवल एच–2 केस काटने का ही अधिकार है। उद्यान विभाग का मामला उनके कार्यक्षेत्र से बाहर होने से कार्रवाई करने से हाथ खड़े कर रहा है। एसडीएम ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। बगीचे में अवैध कटान की जानकारी मिली है। उद्यान विभाग की ओर से कटान और लॉपिंग की अनुमति नहीं दी गई है। संबंधित क्षेत्र वन विभाग के अंतर्गत आता है। मामले में वन विभाग की ओर से कार्रवाई की जानी चाहिए ।– अर्जुन सिंह परवाल, उद्यान अधिकारी, रामनगर वन विभाग की ओर से ट्री–प्रोटेक्शन एक्ट की धारा 4ध10 के तहत जुर्माना काटने की कार्रवाई की जाती है। बगीचा काटने के मामले में वन विभाग की ओर से कार्रवाई पूरी कर ली गई है ।– पीसी आर्य, डीएफओ, तराई पश्चिमी वनप्रभाग फलदार पेड़ों का अवैध कटान करने का मामला गंभीर है। मामले में संबंधित विभाग से जानकारी लेकर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ में झुलसे, नैनीताल की ठंडक में मिला राहत भरा उपचार

नैनीताल। नैनीताल का सुहावना मौसम सिर्फ सैलानियों ही नहीं बल्कि मरीजों के लिए भी राहत का जरिया बन रहा है। लखनऊ में आग की घटना में झुलसे दो युवकों को बेहतर रिकवरी के लिए नैनीताल लाया गया जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है। दड़ियाल (रामपुर) निवासी जुनैद लखनऊ के एक होटल में कार्यरत है। सोमवार को होटल के किचन में गैस लीक होने से अचानक आग लग गई जिसमें वह और गदरपुर निवासी मेहबूब अली गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को पहले लखनऊ में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद परिजनों ने बेहतर रिकवरी के लिए ठंडे मौसम को देखते हुए दोनों को नैनीताल ले जाने का निर्णय लिया। बीडी पांडे अस्पताल में दोनों को एक दिन भर्ती रखकर उपचार किया गया। हालत में सुधार होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। जुनैद ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह के बाद फिलहाल दोनों को नैनीताल में ठहराया गया है। ठंडा मौसम घाव भरने में सहायक होने के चलते वे रिश्तेदारों के घर पर आराम कर रहे हैं। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि मरीज को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

बसपोर्ट के लिए टेक्निकल कमेटी ने 21 करोड़ रुपये मंजूर किए

रामनगर। निर्माणाधीन बसपोर्ट निर्माण के लिए टेक्निकल कमेटी ने 21 करोड़ की मंजूरी दे दी है। वर्ष 2020 में रामनगर में बसपोर्ट बनाने की मंजूरी मिली थी। इसके बाद करीब तीन एकड़ क्षेत्र में बसपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू किया गया। इसे वर्कशॉप, वाहन पार्किंग, फूड कोर्ट, दुकानें, कार्यालय समेत अन्य सुविधाओं से लैस किया जाना था। पोर्ट का निर्माण कार्य 50 करोड़ 14 लाख रुपये से होना था। शासन की ओर से कार्यदायी संस्था को लगभग 28 करोड़ रुपये का बजट दिया गया।

अब 12 किमी अंडरपास का एक साल का अध्ययन शुरू, 245 कैमरा ट्रैप लगाए गए

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। देहरादून–दिल्ली एक्सप्रेस वे पर बने 12 किमी अंडरपास पर भारतीय वन्यजीव संस्थान ने एक साल का अध्ययन शुरू किया है, इसके तहत किस मौसम में वन्यजीवों का मूवमेंट कैसा रहता है, समेत अन्य जानकारियां जुटाई जाएंगी। इस पर कार्य शुरू कर दिया गया है, यहां 245 कैमरा ट्रैप लगे हैं आने वाले दिनों में इन्हें और बढ़ाया जाएगा। देहरादून–दिल्ली एक्सप्रेस वे पर बने अंडरपास में वन्यजीवों के मूवमेंट को लेकर अध्ययन किया गया था। इनमें तेंदुआ, हाथी समेत अन्य वन्यजीवों के मूवमेंट की जानकारी मिली थी। इसके अलावा वन्यजीवों के टाइमिंग पैट्रर्न का भी पता चला था। यह अध्ययन चालीस दिन का था, अब भारतीय वन्यजीव संस्थान और गहन जानकारी के लिए वर्षभर अध्ययन करने का काम शुरू कर दिया गया है।

वन्यजीवों से जुड़ी गहन जानकारी मिल सकेगी

भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक बिलाल हबीब कहते हैं कि अंडरपास में एक साल का अध्ययन शुरू किया गया है। अभी 245 कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं, योजना है कि सभी खंभों पर कैमरा ट्रैप (500 से अधिक) लगाए जाएं। इसके जरिये वन्यजीवों के मूवमेंट से जुड़ी जानकारी जुटानी है।

इसमें अलग–अलग मौसम में वन्यजीवों का मूवमेंट कैसा रहता है, किस समय अधिक रहता है, पता करने का प्रयास किया जाएगा। अभी अध्ययन में 18 अलग– अलग वन्यजीवों की प्रजातियों के मूवमेंट की जानकारी मिली थी। संभव है कि एक साल के अध्ययन में और वन्यजीव रिपोर्ट हों।

सम्पादकीय

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह, दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे– जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दर्शाते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास–मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली–देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए। अंततरू यह एक्सप्रेसवे आशा और सावधानी दोनों का ही पर्याय है। निर्विवाद रूप से यह भारत की तेज और स्मार्ट निर्माण की महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। इसके साथ ही उच्च मानकों की कसौटी पर खरा उतरने और जवाबदेही की जरूरत को भी रेखांकित करता है। निर्विवाद रूप से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की वास्तविक सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि यह पारिस्थितिक और संरचनात्मक गुणवत्ता से समझौता किए बिना दक्षता को बनाये रखे। इसके अलावा पर्वतीय राज्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और पर्यटन के दबाव से भूगर्भीय संवेदनशीलता की भी रक्षा हो। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से भूस्खलन व पर्यटकों का दबाव झेल रहे हिमालयी राज्यों में पर्यटन प्रकृति व स्थानीय संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। आने वाले दिनों में दिल्ली–देहरादून राजमार्ग उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को भी गति देगा, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से विस्तार होना निश्चित है। वहीं चीन से मिलने वाली किसी चुनौती से निपटने में सेना की गतिशीलता, रसद व सैन्य आपूर्ति में भी यह राजमार्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।

आंबेडकर के लिए राष्ट्र का भाग्य सर्वोपरि था

नीतीश कुमार सिंह

> *मध्यप्रदेश के महू में 14 अप्रैल, 1891 को जन्मे आंबेडकर के जीवन को समझना बहुत कठिन है इसलिए आज की सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितयों के बीच आंबेडकर को लेकर अर्द्ध सत्य की धारणा ने जोर पकड़ा है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक वैमनस्यता।*

संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के पुरोधा डॉ. भीमराव आंबेडकर की अभिव्यक्ति राष्ट्रवादी आंदोलन से लेकर आजीवन एक प्रखर दलित लड़ाके के तौर पर बेधड़क रही, परंतु भारत और भारतीयता को सर्वोपरि मानकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सद्भाव को अपने मन, वाणी और कर्म में उन्होंने संजोए रखा। मध्यप्रदेश के महू में 14 अप्रैल, 1891 को जन्मे आंबेडकर के जीवन को समझना बहुत कठिन है इसलिए आज की सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितयों के बीच आंबेडकर को लेकर अर्द्ध सत्य की धारणा ने जोर पकड़ा है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक वैमनस्यता और देश के भाग्य–विधाताओं को खांचों में बांटकर सिर्फ वोट की राजनीति का कुत्सित क्रियाकलाप चलना भर रह गया है। उनके भाषणों से ही नीर–क्षीर किया जा सकता है। 17 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा में लक्ष्य संबंधी प्रस्ताव पर 10 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा, श्जहां राष्ट्र के भाग्य का फैसला करने का प्रश्न हो, वहां नेताओं, दलों और संप्रदायों की शान का कोई मूल्य नहीं होना चाहिए। वहां तो राष्ट्र के भाग्य को ही सर्वोपरि रखना चाहिए।श आंबेडकर को मानने वालों के लिए यह बहुत बड़ी सीख है। आंबेडकर को संविधान निर्माता के तौर पर पहचान मिली है, लेकिन वह प्लानर और अर्थशास्त्री भी थे। बहुमुखी प्रतिभा वालों के साथ अन्याय होता है। जिन परिस्थितियों में आंबेडकर ने काम किया और अपने अनुयायियों का पथ प्रदर्शन दिया, उस दिशा में उनका राष्ट्रवादी अभिमत अभिव्यक्त होता रहा। उनकी खास बात यह भी थी कि मत परिवर्तन किया तो भारतीय जड़ों से आबद्ध बौद्ध धर्म में किया, किसी बाहरी धर्म या संप्रदाय में नहीं। सामर्थ्यपूर्ण पद्धति से चलने वाले धर्म में किया। यह उनके मूल चरित्र को अभिव्यक्त करता है। यह उनकी एक और विशेषता समझ में आती है। संविधान–सभा में आंबेडकर कहते हैं– श्मैं जानता हूं कि आज हम राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सभी दृष्टियों से विभक्त है। आज हमारा देश कई लड़ाकू दलों में बंट गया है, और मैं तो यहां तक मंजूर करूंगा कि ऐसे ही एक लड़ाकू दल के नेताओं में शायद मैं भी एक हूं, परंतु सभापति महोदय इन सब बातों के बावजूद मुझे इस बात का पक्का विश्वास है कि समय और परिस्थितियां अनुकूल होने पर दुनिया की कोई भी ताकत इस मुल्क को एक होने से रोक नहीं सकती। जाति और धर्म की भिन्नता के बावजूद भी हम किसी न किसी रूप में एक होंगे। वे आगे कहते हैं–इसमें मुझे जरा भी शक नहीं है और यह कहने में मुझे रंच मात्र का संकोच भी नहीं है कि यद्यपि मुस्लिम लीग आज भारत के विभाजन के लिए भयानक आंदोलन कर रही है पर एक न एक दिन स्वयं मुसलमान में बुद्धि आएगी और वह समझने लगेंगे कि उनके लिए भी संयुक्त भारत ही सर्वाधिक कल्याणकर है। आंबेडकर ने राष्ट्र व समाज के साथ नागरिक के अधिकारों के संरक्षण पर काफी जोर दिया। इससे अंतिम पायदान के व्यक्ति को संवैधानिक तौर पर समाज और सरकार से सुरक्षा मिल सके। देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के लक्ष्य संबंधी प्रस्ताव पर ही आंबेडकर ने कहा कि इसमें अधिकारों की चर्चा की गई है पर उनकी सुरक्षा का कोई उपाय नहीं किया गया है। हम सभी इस बात को जानते हैं कि अधिकारों का कोई महत्व नहीं है यदि उनकी रक्षा की व्यवस्था न हो ताकि अधिकारों पर जब कभी कुठाराघात हो तो लोग उनका बचाव कर सकें। ऐसे उपचारों पर इस प्रस्ताव में बिल्कुल अभाव है। इस सामान्य सिद्धांत का भी इसमें उल्लेख नहीं है कि किसी नागरिक के जीवन और संपत्ति का तब तक अपहरण नहीं किया जाएगा जब तक कि कानून खूब जांच–पड़ताल कर इसकी आज्ञा न दे दे। प्रस्ताव में उल्लेखित मौलिक अधिकारों को भी कानून और सदाचार के अधीन रख दिया गया है। निश्चित ही कानून और सदाचार क्या है– इसका निर्धारण उस दौर का शासन प्रबंध करेगा। किसी प्रबंध का एक फैसला हो सकता है और दूसरे का दूसरा। हम निश्चय रूप से यह नहीं जानते हैं कि इन मौलिक अधिकारों की स्थिति क्या होगी, अगर यह शासन प्रबंध की मर्जी पर छोड़ दिए जाते हैं। बहरहाल, देश में राम राज्य की बात होती है। अगर आज आंबेडकर होते तो अपने भाषणों में कहते कि वह तभी पूरी होगी जिसमें सब नर करहूं परस्पर प्रीति होने के साथ सत्ता, संपत्ति और सम्मान में सबकी समुचित भागीदारी हो। देश ने सोमवार को बाबा साहेब की 135वीं जयंती मनाई। यह अवसर उनके सपनों का भारत बनाने का निश्चय दोहराने का है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व राजनीति शास्त्र के शिक्षक हैं)

2029 को लेकर अभी से डरे हुए हैं मोदी

अनिल जैन

लोकसभा चुनाव–2024 के नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी का आत्मविश्वास बुरी तरह हिला रखा है। यद्यपि चुनाव आयोग बिल्कुल उनके मनमाफिक काम कर रहा है और ऐसा करते हुए वह निष्पक्ष रहना तो दूर, निष्पक्ष होने का दिखावा तक नहीं कर रहा है। उसकी तमाम असंवैधानिक और अनैतिक कारगुजारियों को न्यायपालिका का भी पूरा–पूरा संरक्षण मिला हुआ है। कॉरपोरेट नियंत्रित मीडिया भी पूरी तरह से सरकार और भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा बना हुआ है। इसी सबके चलते भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीतें हासिल की हैं। इसके बावजूद 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी बेहद डरे हुए हैं। उनका यह डर लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 से ही लागू कराने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने को लेकर उनकी हड़बड़ी में साफ देखा जा सकता है। दरअसल तमाम मोर्चों पर अपनी सरकार की नाकामियों के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए कई विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत ने मोदी में इतना आत्मविश्वास भर दिया था कि उन्होंने 2024 के चुनाव में श्अबकी बार 400 पारश का नारा दे दिया था। वे मानकर चल रहे थे उन्हें 400 सीटों का बहुमत मिल ही जाएगा। उनके इसी आत्मविश्वास के बूते वे खुद तो नहीं लेकिन उनकी पार्टी के दूसरे कई वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री खुलेआम संविधान बदलने और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बातें करने लगे थे, जिसे मोदी भी नकार नहीं रहे थे। मगर उनकी तमाम तिकड़मों और चुनाव आयोग द्वारा की गई गड़बड़ियों के बावजूद चुनावी परिणाम उनकी उम्मीदों के विपरीत आए। लोकसभा चुनाव 2014 में मिली 282 और 2019 में मिली 303 सीटों के मुकाबले 2024 में भाजपा जैसे–तैसे 240 सीटें ही जीतने में कामयाब रही। यानी बहुमत से बहुत दूर। मोदी खुद वाराणसी में जैसे–तैसे जीत पाए। करीब दो दर्जन पार्टियों के बने उनके गठबंधन (एनडीए) को भी कुल मिलाकर 292 सीटें ही हासिल हो सकीं, जो कि स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से महज 20 सीटें अधिक रहीं। कुल मिला कर जैसे–तैसे सरकार चलाने लायक बहुमत मिला। ऐसे में संविधान बदलने या उसमें कोई भी मनमाना संशोधन करने का उनका मंसूबा धरा रह गया। बस, यही स्थिति मोदी के लिए भविष्य में होने वाले चुनावों और खास कर 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर चिंता का सबब बन गई। यही नहीं, उन्हें विभाजनकारी और धार्मिक नारों की सीमाएं भी समझ में आ गईं कि अब इनका और ज्यादा दोहन नहीं किया जा सकता। कई छोटे–छोटे दलों के समर्थन रूपी बैसाखियों के सहारे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी ने भविष्य में होने वाले चुनावों को जीतने की योजना पर काम करना शुरू किया। इस योजना के तहत चुनाव से ठीक पहले कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मतदाताओं के खाते में सरकारी खजाने से नकद राशि ट्रांसफर करने की योजनाएं घोषित हुईं और जिनकी किस्तें चुनाव के दौरान जारी हुईं। ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता के सरासर खिलाफ था, लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शक बना रहा। इस योजना को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई लेकिन न्यायपालिका ने भी इस अनैतिक हथकंडे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। इसके अलावा महाराष्ट्र और हरियाणा में मतदान और मतगणना में भी चुनाव आयोग ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को अंजाम देकर भाजपा की जीत का रास्ता साफ किया था। महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के खाते में नकद राशि ट्रांसफर करने की योजना बिहार में भी लागू की गई। इसके अलावा चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के नाम पर जीत सुनिश्चित करने वाली एक नई योजना भी शुरू की गई, जिसकी शुरुआत दिल्ली से हुई और बाद में बिहार में भी लागू की गई। दोनों राज्यों में चुनाव आयोग ने एसआईआर के बहाने मनमाने तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए, जिससे दोनों राज्यों में भाजपा और उसके गठबंधन को आसानी से जीत हासिल हो गई। बिहार और दिल्ली में कामयाबी के बाद एसआईआर के हथियार को अभी हो रहे चुनाव वाले राज्यों– तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुड्डुचेरी सहित नौ राज्यों में भी आजमाया गया और हर राज्य में चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए हैं। अलबत्ता असम को इस योजना से मुक्त रखा गया। जाने–माने अर्थशास्त्री डॉ. पराकला प्रभाकर ने, जो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति हैं, क्षेत्र विशेष और वर्ग विशेष के मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाने की चुनाव आयोग की रातों–रात नाम मिटाओ, नाम चढ़ाओ और चुनाव जिताओ परियोजना को दुनिया का सबसे बड़ा रक्तहीन राजनीतिक जनसंहार करार दिया है। बहरहाल, प्रधानमंत्री को इतने से भी संतोष नहीं है। वे 2029 के चुनाव को लेकर कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसलिए वे 2029 के बाद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन कानून और लोकसभा व विधानसभा की सीटों के परिसीमन को भी 2029 के चुनाव से ही लागू करने की हड़बड़ी दिखा रहे हैं। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि दोनों मामले संविधान संशोधन से जुड़े हुए हैं और संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है। पहले ऐसा लग रहा था कि महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर विपक्षी दल दुविधा में है और उनके लिए इसका विरोध करना आसान नहीं होगा। लेकिन अब धीरे–धीरे विपक्ष दलों ने अपना रुख स्पष्ट करना शुरू कर दिया है।

मेष :– जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

बृषभ :– शासन–सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन :– संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्क :– विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

सिंह :– अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्या :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुबिधाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।

वृश्चिक :– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।

धनु :– कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। गैर सांस्कारिक कायरे की आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुंभ :– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ऊर्जा की अनुभूति होगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

मजदूरों के गुस्से का पाकिस्तान और नक्सली लिंक

एजेन्सी

> *याद कीजिए अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप से लेकर दिल्ली में जी–20 की बैठक तक जब भी अंतरराष्ट्रीय मेहमान भारत आए, ऐसे ही गरीबी को छिपाया जाता रहा। लेकिन सोमवार 13 अप्रैल को नोएडा के फेज टू में एक निजी कंपनी के श्रमिकों ने काम ।*

मई दिवस या अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस आने में अभी एक पखवाड़े का वक्त बचा है, लेकिन जिन वजहों से 140 साल पहले मजदूरों ने अपनी आवाज बुलंद की थी, वो वजहें अब कई गुना सघनता के साथ समाज में मौजूद हैं। इसकी झलक सोमवार और मंगलवार को उत्तरप्रदेश के औद्योगिक नगर नोएडा में दिखाई दी। वही नोएडा जहां कुछ दिनों पहले जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और कहा कि अब युवाओं के विकास की उड़ान को पंख मिलेंगे। दिल्ली से सटे नोएडा में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर और कारखाने हैं। आलीशान रिहायशी इलाके हैं, जहां करोड़ों के फ्लैटों और कोठियों में समाज का उच्च तबका रहता है। लेकिन इस चमचमाती दुनिया के पीछे वही मलिन बस्तियां हैं, जिन्हें छिपाने के लिए अक्सर सफेद पर्दे डाल दिए जाते हैं। याद कीजिए अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप से लेकर दिल्ली में जी–20 की बैठक तक जब भी अंतरराष्ट्रीय मेहमान भारत आए, ऐसे ही गरीबी को छिपाया जाता रहा। लेकिन सोमवार 13 अप्रैल को नोएडा के फेज टू में एक निजी कंपनी के श्रमिकों ने काम के घंटे और मेहनताने को लेकर जो प्रदर्शन किया, वह छिपाया नहीं जा सका। चूंकि कई बड़े चौनलों के दफ्तर नोएडा में ही हैं, तो यहां मजदूरों के भड़के असंतोष और उसे दबाने के लिए की गई प्रशासनिक सख्ती को पूरा कवरेज मिला। हालांकि नोएडा से पहले कई और शहरों में मजदूरों की नाराजगी सामने आई है। इस साल फरवरी में बिहार के बरौनी में मजदूर न्यूनतम वेतन बढ़ाने और काम के घंटे तय करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे। इसके बाद सूरत, मानेसर, पानीपत और फिर नोएडा तक यह सिलसिला फैल गया। इन सभी जगहों पर मांगें लगभग एक जैसी थीं– न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, ओवरटाइम का सही भुगतान, बकाया राशि का निपटारा और स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं। मजदूर संगठनों का कहना है कि नवंबर 2025 में लागू हुए नयी श्रमिक संहिता के बाद मजदूरों को उम्मीद थी कि उनकी स्थिति बेहतर होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नोएडा का विरोध प्रदर्शन खास तौर पर इसलिए व्यापक हो गया क्योंकि वहां बड़ी संख्या में ठेका मजदूर काम करते हैं। ये मजदूर ठेकेदारों के जरिए रखे गए हैं और उन्हें न तो स्थायी नौकरी की सुरक्षा है और न ही पीएफ या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलती है। 8 अप्रैल से ही मजदूरों का विरोध प्रदर्शन शुरु हो गया था जो धीरे–धीरे तेज हुआ और सोमवार को यह हिंसक हो गया। ट्रेड यूनियन नेताओं का आरोप है कि पिछले पांच दिनों से उन्हें नजरबंद रखा गया था, जिससे हालात और बिगड़ गए। उनका कहना था कि जब मजदूरों से बातचीत ही नहीं होगी, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर होनी ही थी। मजदूर वर्ग की ऐसी नाराजगी किसी भी सत्ता के लिए चेतावनी होती है कि उसकी नीतियों से जनता संतुष्ट नहीं है, लिहाजा उसे आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। लेकिन मौजूदा भाजपा के शासनकाल में सत्ता से नाराजगी सीधे देश से विद्रोह मान लिया जाता है। जब किसान आंदोलन हुआ था तो उसे खालिस्तानी आतंकवाद से जोड़ा गया था। शाहीन बाग के आंदोलन में अंतरराष्ट्रीय साजिश देखी गई। और अब नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन में पाकिस्तान और नक्सलवाद का कोण सरकार ने ढूंढ निकाला है। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने मजदूरों की वाजिब मांग को श्बड़ी साजिशश का हिस्सा बताया और कहा कि इसमें श्पाकिस्तान लिंकश की भी जांच की जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान दिया कि यह श्नक्सलवाद को फिर से जीवित करने की साजिशश का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने और श्विघटनकारी तत्वोंश की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। कितनी चालाकी से सरकार ने अपनी जिम्मेदारी पाकिस्तान और नक्सलवाद पर डालने की कोशिश की, हालांकि बाद में सरकार ने औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की, जिसे मजदूरों और उद्योगों के बीच बातचीत कर समाधान निकालने का जिम्मा दिया गया। अब सरकार ने न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) और गाजियाबाद में अब अकुशल मजदूर को 13,690 रुपये, अर्ध–कुशल को 15,059 रुपये और कुशल मजदूर को 16,868 रुपये मासिक वेतन तय किया गया है। अन्य नगर निगम क्षेत्रों और बाकी जिलों में भी इसी तरह अलग–अलग दरें तय की गईं हैं। सरकार ने वेतन बढ़ोतरी को श्संतुलित कदमश बताया है। लेकिन मजदूरों की शुरुआती मांगों और उनकी वास्तविक आय–व्यय की स्थिति को देखते हुए यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह बढ़ोतरी उनके जीवन स्तर में वास्तविक सुधार ला पाएगी? बता दें कि नोएडा की फैक्ट्रियों में औसत वेतन 10–15 हजार रुपये के बीच है।

इधर चहल विवादों में फंसे

उधर धनश्री ने फोटोज से इंटरनेट पर लगाई आग, अपारशक्ति-श्रेष्ठा के साथ डांस देखा क्या?

मुंबई। धनश्री वर्मा का चॉकलेट ब्राउन गाउन लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। उनके स्टाइलिश आउटफिट और यूनिक कैप्शन ने फैंस का दिल जीत लिया है। इस पोस्ट ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनका फैशन सेंस लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों विवादों में फंसे हुए हैं। एक्ट्रेस तानिया चटर्जी को उन्होंने कथित तौर पर इंस्टाग्राम पर श्क्यूटश लिखा मैसेज भेजा था, जिसको इस अभिनेत्री ने वायरल कर दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। अब चहल की एक्स–वाइफ और डांसर–इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा ने अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर आग लगा दिया है। चॉकलेट ब्राउन गाउन में उनकी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस अंदाज के दीवाने हो गए हैं। इतना ही नहीं, ध ानश्री ने अभिनेता अपारशक्ति खुराना और श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर के साथ डांस कोलैबोरेशन का वीडियो भी शेयर किया है। उनकी इन तीन हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट ने मानो इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। कैप्शन ने ही सेट कर दिया मूड धनश्री ने गाउन में फोटो पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, श्आप खुद को व्यक्त करें, मैंने तो किया है।श यह वर्डप्ले न सिर्फ उनके आउटफिट से मेल खाता है, बल्कि उनके कॉन्फिडेंस और स्टाइल को भी बखूबी दर्शाता है। पोस्ट देखने से पहले ही यह कैप्शन फैंस का ध्यान खींच लेता है। चॉकलेट ब्राउन गाउन बना स्टाइल स्टेटमेंट ध ानश्री का यह चॉकलेट ब्राउन हल्टर–नेक कटआउट मैक्सी ड्रेस उनके पूरे लुक का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा। यह आउटफिट न सिर्फ उनके फिगर को हाइलाइट करता है, बल्कि एक बोल्ड और क्लासी वाइब भी देता है। गाउन का रंग और डिजाइन मिलकर ऐसा इम्पैक्ट छोड़ते हैं कि नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है। लग्जरी टचरू बैलेनसियागा बैग धनश्री के इस लुक में बैलेनसियागा का मिनी बैग भी शामिल था। यह बैग भले ही छोटा था, लेकिन इसने पूरे लुक में एक सटल लग्जरी एलिमेंट जोड़ दिया, जो स्टाइल को और ऊंचा ले गया। धनश्री के हेयरस्टाइल ने भी उनके लुक को पूरा किया। इस पोस्ट पर फैंस के साथ–साथ कई सेलिब्रिटीज ने भी रिएक्ट किया। क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर ने कमेंट सेक्शन में फायर इमोजी के साथ अपना रिएक्शन दिया, जो तेजी से वायरल हो गया। अपारशक्ति और श्रेष्ठा के साथ किया डांस धनश्री ने अभिनेता अपारशक्ति खुराना के साथ डांस वीडियो भी शेयर किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने मित्ता रोड़ और स्वरा वर्मा के सुपरहिट सॉन्ग शशीशाश पर श्रेष्ठा अय्यर के साथ डांस किया। दोनों का कोलैब भी सुपरहिट रहा और फैंस डांस की तारीफ भी कर रहे हैं।

क्या शोएब मलिक और सना जावेद बने माता-पिता?

नई दिल्ली। शोएब मलिक और सना जावेद के माता–पिता बनने की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, लेकिन फैक्ट चेक में यह दावा गलत निकला। तस्वीरें एक प्रमोशनल शूट से जुड़ी थीं और कपल या किसी विश्वसनीय मीडिया ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हाल ही में शोएब मलिक और सना जावेद को लेकर सोशल मीडिया पर एक बड़ी खबर वायरल हो गई। कुछ तस्वीरों में दोनों एक नवजात बच्चे के साथ नजर आए, जिसके बैकग्राउंड में श्वेलकम बेबी श्सैय्याराश लिखा हुआ था। इन तस्वीरों के सामने आते ही इंटरनेट पर श्शोएब मलिक बेबी न्यूजश और श्सना जावेद बेबी ट्रुथश जैसे सर्च तेजी से ट्रेंड करने लगे और फैंस के बीच चर्चा शुरू हो गई कि क्या इस कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। तस्वीरों का असली स्रोत क्या है? जब इन वायरल तस्वीरों की पड़ताल की गई, तो एक अहम बात सामने आई। ये तस्वीरें किसी निजी या आधिकारिक अकाउंट से नहीं, बल्कि एक प्रमोशनल या ब्राइडल शूट से जुड़े इंस्टाग्राम पेज से शेयर की गई थीं। इससे साफ हो गया कि ये तस्वीरें किसी पर्सनल मोमेंट की नहीं, बल्कि एक शूट का हिस्सा हैं। यही वजह है कि इनकी प्रामाणिकता पर शुरुआत से ही सवाल उठने लगे। न कपल की पुष्टि, न आधिकारिक बयान इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह है कि न तो शोएब मलिक और न ही सना जावेद ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर किसी बच्चे के जन्म की घोषणा की है। आमतौर पर सेलिब्रिटी इस तरह की बड़ी खुशखबरी खुद साझा करते हैं, लेकिन यहां ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, जो इन दावों को और संदिग्ध बनाता है। मीडिया रिपोर्ट्स में भी नहीं कोई पुष्टि अगर यह खबर सच होती, तो पाकिस्तान के बड़े और विश्वसनीय मीडिया संस्थान जरूर इसे कवर करते। लेकिन अब तक किसी भी प्रतिष्ठित मीडिया हाउस ने इस खबर की पुष्टि नहीं की है। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि यह दावा फैक्ट–चेक के मानकों पर खरा नहीं उतरता और ये वायरल तस्वीरें एडिटेड या फैन–मेड हो सकती हैं। पहले भी अफवाहों का शिकार रहे हैं मलिक यह पहला मौका नहीं है जब शोएब मलिक को लेकर इस तरह की अफवाहें फैली हों। इससे पहले भी उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई गलत खबरें सामने आ चुकी हैं, जिनमें चौथी शादी की अफवाह भी शामिल थी।

महज 32 साल की उम्र में लिया संन्यास, दो बार ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन रह चुके हैं

दो बार के ओलंपिक और विश्व चौंपियन डेनमार्क के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को अचानक संन्यास का ऐलान कर दिया है। लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। 32 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया था। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना रहता है। तीन बार के यूरोपीय चौंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा कि, जैसा कि अधि ाकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया। उन्होंने कहा कि, दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी।

एक्सेलसन ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार गोल्ड मेडल जीते और 2017 और 2022 विश्व चौंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चौंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे। उन्होंने कहा कि, मैंने यह फैसला डॉक्टरों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी। बता दें कि, एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

कच्चे तेल में नरमी व अमेरिका–ईरान वार्ता की उम्मीद से एशियाई बाजारों में उछाल

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका–ईरान वार्ता की उम्मीदों के बीच एशियाई बाजारों में तेजी। भारतीय बाजारों और महंगाई पर इसका असर जानने के लिए पढ़ें। आंबेडकर जयंती के अवसर पर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहे, लेकिन वैश्विक मोर्चे से निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत मिले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बावजूद, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है, जिसके चलते एशियाई बाजारों ने बढ़त के साथ कारोबार किया है। वैश्विक बाजार और कच्चे तेल का हाल अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान के बाद वैश्विक बाजार की धारणा में सुधार हुआ है, जिसमें उन्होंने तेहरान और वाशिंगटन के बीच कूटनीतिक बातचीत की संभावना जताई है। इसके प्रमुख प्रभाव इस प्रकार रहेरू कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरतारू भू–राजनीतिक जोखिमों के कारण ब्रेंट क्रूड पहले 99.36 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गया था, लेकिन अब यह नरमी के साथ लगभग 97.99 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजारों में मजबूतीरू वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी बाजारों ने लचीलापन दिखाया है।" –च 500 ने 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, जबकि इसके पिछले सत्र में यह 6,886.24 के उच्च स्तर पर बंद हुआ था। टेक–हैवी नैस्डैक में भी 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एशियाई बाजारों में बढ़तरू सकारात्मक वैश्विक संकेतों का अनुसरण करते हुए मंगलवार को जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 प्रतिशत चढ़ा। भारतीय अर्थव्यवस्था और महंगाई पर असर सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाकेबंदी के आदेश के बाद भारतीय सूचकांक निफ्टी 50 और संसेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए थे। इसके बावजूद, भारत के व्यापक आर्थिक आंकड़े राहत देने वाले हैं। क्रिसिल की प्रमुख अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा, ष्पश्चिम एशिया संकट को पूरा एक महीना होने के बावजूद, ऊर्जा संकट का खुदरा महंगाई पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव दिखा है।

घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर, सेंसेक्स 1350 अंक चढ़ा, निफ्टी 24200 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर वार्ता शुरू होने की उम्मीदों से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान हरियाली दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूती के साथ कारोबार करते दिखे। इस दौरा बाजार के सभी सेक्टर हरे निशान में रहे। एक दिन की छुट्टी के बाद घरेलू शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सत्र की शुरुआत हरे निशान पर हुई। सेंसेक्स में 1,350 अंक से अधिक की तेजी देखी गई, वहीं निफ्टी 24,200 के पार पहुंचने में सफल रहा। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 78,270.42 के स्तर तक गया। वहीं, निफ्टी भी 24,280.90 के ऊच्च स्तर तक पहुंच गया। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2: का उछाल दिखा। ईरान–अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने बाजार में बढ़त को बढ़ावा दिया। बुधवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल आया, जो वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिरावट को दर्शाता है। यह उछाल अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक संबंध ाों के फिर से शुरू होने की उम्मीदों के बीच आया है। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,422.85 अंक बढ़कर 78,270.42 के हाई पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 438.25 अंक चढ़कर 24,280.90 पर पहुंचा। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिका–ईरान शांति वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के बीच कमजोर अमेरिकी मुद्रा के कारण बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 20 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में सेसेक्स के सभी 30 शेयर हरे निशान पर दिखे शुरुआती कारोबार के दौरान संसेक्स की सभी 30 कंपनियों के शेयर सकारात्मक दायरे में थे। इंटरग्लोब एविएशन, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एटर्नल, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.26 प्रतिशत बढ़कर 95.04 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। रिसर्च एनालिस्ट और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, ष्बाजार तात्कालिक जोखिमों को नजरअंदाज करते हुए अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक संबंधों के फिर से शुरू होने की संभावना को ध यान में रख रहे हैं। इस बदलाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है, जो ऊर्जा आयात पर भारत की निर्भरता को देखते हुए उसके लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक पहलू है,ष ट्रंप का दावा– जल्द खत्म हो सकता है युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध ष्समाप्त होने के कगार पर हैष, और उन्होंने दावा किया है कि अगर वह अभी अपना समर्थन वापस ले लेते हैं, तो तेहरान को देश का पुनर्निर्माण करने में 20 साल लगेंगे। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ष्मुझे लगता है कि यह लगभग खत्म हो चुका है, हाँ। मैं इसे लगभग खत्म होने के कगार पर मानता हूँष। इस इंटरव्यू का प्रसारण बाद में होना है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ वार्ता का दूसरा दौर अगले दो दिनों में इस्लामाबाद में आयोजित किया जा सकता है।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

संक्षिप्त

मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ..

बैडमिंटन एशियन चौंपियनशिप में भारत के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने सिल्वर मेडल जीता है। हालांकि, वो चीनी खिलाड़ी शी यू क्यूई से गोल्ड मेडल हार गए। इस दौरान आयुष ने सिल्वर जीतने पर गर्व और उम्मीद जताई है। शेट्टी ने इसे एक शानदार टूर्नामेंट बताते हुए दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के विश्वास को और मजबूत किया है। इसके साथ ही उन्होंने फाइनल में मिली निराशा को भी स्वीकार की है। भारत खबर अपडेट आयुष शेट्टी ने कहा है कि, मुझे लगता है कि ये मेरे लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट था, जिस तरह से मैंने पूरे टूर्नामेंट में खेला, उससे मैं सचमुच बहुत खुश हूं। मेरे मैच बहुत मुश्किल थे लेकिन जिस तरह से मैंने उन सभी में जीत हासिल की, उससे मैं खुश हूं। जहां तक फाइनल की बात है तो थोड़ी निराशा हुई, मैं जीत के साथ टूर्नामेंट खत्म करना चाहता था, लेकिन इसका श्रेय शी यू क्यूई को जाता है, वह उस दिन बेहतर खिलाड़ी थे मैं सिल्वर मेडल पाकर मैं शुक्रग्रुजार हूं। दुनिया की रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज 20 वर्षीय शटलर को निंगबो ओलंपिक सेंटर में हुए फाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चौंपियन यू क्यूई के हाथों 8–21, 10–21 से हार का सामना करना पड़ा। सिल्वर मेडल जीतने के साथ आयुष साल 2018 में एचएस प्रणॉय के बाद बैडमिंटन एशिया चौंपियनशिप में पोडियम पर जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी बन गए हैं।

आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स की भिड़ंत, विराट कोहली के खेलने पर आया अपडेट

आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला खेला जाना है। आरसीबी वर्सेस एलएसजी के मुकाबले से पहले सभी के मन में सवाल है कि विराट कोहली खेलेंगे या नहीं? दरअसल, पिछले मुकाबले में विराट कोहली फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। उन्हें एंकल इंजरी हुई थी। पहले तो आईपीएल 2026 की पॉइंट्स टेबल की बात करें तो आरसीबी तीन मैच जीतकर तीसरे स्थान पर है जबकि लखनऊ सातवें पायदान पर है। आरसीबी अगर जीती तो पॉइंट्स टेबल में अभी के लिए नंबर वन बन जाएगी जबकि एलएसजी ने मैच जीता तो फिर लखनऊ की टीम टॉप 4 में एंट्री कर लेगी। वहीं विराट कोहली की तो आरसीबी के फैंस को ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि कोहली भले ही मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में फील्डिंग के लिए ना उतरे हों लेकिन लखनऊ के खिलाफ फिर से मैदान पर जरूर दिखेंगे। हालांकि, वे फील्डिंग करेंगे या नहीं या फिर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर सिर्फ बल्लेबाजी करने उतरेंगे ये कहना जल्दबाजी होगी। बता दें कि, मुकाबले से एक दिन पहले वह प्रैक्टिस सेशन में बेहतर दिखे थे, हालांकि उनके बाएं पैर पर पट्टी बंधी थी, कोहली ने बिना किसी परेशानी के 45 मिनट तक बैटिंग सेशन किया जो आरसीबी के लिए अच्छा संकेत है।

खत्म नहीं हो रहा केकेआर की हार का सिलसिला, चेन्नई सुपर किंग्स ने दर्ज की दूसरी जीत

आईपीएल 2026 के 22वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। वहीं केकेआर की हार का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने केकेआर को 193 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे रहाणे की अगुवाई वाली टीम हासिल नहीं कर सकी और 32 रनों के बड़े अंतर से हार गई। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्ये रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके की शुरुआत तेज रही लेकिन 25 रन के स्कोर पर आते ही कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 6 गेंदों में 7 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद आयुष म्हात्रे ने 38 रनों की पारी खेली, लेकिन वे भी अहम मौके पर आउट हो गए। संजू सैमसन को 32 गेंदों में 38 रन बनाकर कार्तिक त्यागी ने क्लीन बोल्ड किया। इसके बाद सरफराज खान और ब्रेविस ने पारी को संभाला लेकिन आखिर में वे भी टीम को 200 तक नहीं पहुंचा पाए। वहीं केकेआर के लिए कार्तिक त्यागी ने चार ओवर में 35 रन देकर दो अहम विकेट लिए। वहीं सुनील नरेन ने 4 ओवर में 21 रन देकर 1 विकेट झटका। अनुकूल ने 3 ओवर में 21 रन देकर 1 विकेट चटकाया। जबकि वैभव अरोड़ा काफी महंगे साबित हुए चार ओवर में 55 रन खर्च किए और महज 1 विकेट लिया। वरुण चक्रवर्ती ने 3 ओवर में 26 रन दिए लेकिन एक विकेट भी नहीं ले पाए। साथ ही ग्रीन ने भी 2 ओवर में 30 रन खर्च किए बिना विकेट के रहे। इसके साथ ही लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरुआत ही खराब रही। टीम के बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। सलामी बल्लेबाज फिन एलन 13 रन के स्कोर पर 3 गेंदों में 1 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद सीजन के पांचवें मुकाबले में पहली बार सलामी बल्लेबाजी करने आए सुनील नरेन भी पवेलियन लौट गए। इस दौरान उन्होंने 17 गेंदों में 24 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद कप्तान अजिंक्ये रहाणे ने युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन 79 रनों के स्कोर पर रघुवंशी भी पवेलियन लौट गए। उन्होंने 19 गेंदों में 27 रनों की पारी खेली। इसके बाद नूर अहमद का तूफान आया और जब केकेआर का स्कोर 85 रन था तभी नूर अहमद ने अपने ओवर की पांचवीं और 6वीं गेंदों पर बैक टू बैक विकेट लेकर मुकाबला पूरी तरह से चेन्नई सुपर किंग्स के पक्ष में कर दिया। उन्होंने पहले कप्तान अजिंक्य रहाणे को आउट किया और उसके बाद अगली ही गेंद पर कैमरून ग्रीन को भी बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने रिंकू सिंह को भी अपने जाल में फंसाया। टीम का स्कोर 90 रनों पर 6 विकेट था। आखिर में रमनदीप सिंह और रोवमैन पॉवेल ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन वे भी जीत नहीं दिला सके। पॉवेल ने 22 गेंदों में 31 रन बनाए, वहीं रमनदीप ने 23 गेंदों में 35 रन की पारी खेली। केकेआर टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर महज 160 रन ही बना पाई। इस मुकाबले में चेन्नई की गेंदबाजी बेहतरीन रही। जहां अंशुल कंबोज ने 2 विकेट लिए। नूर अहमद ने चार ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

जो मोदी जी अपनी ब्याहता पत्नी को सम्मान नहीं दे पाए, वो देश की आधी आबादी को क्या सम्मान दे पाएंगे मोदी: अजय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मा0 श्री अजय राय जी–पूर्व मंत्री ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लखनऊ पर प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ0 सी0पी0 राय जी–पूर्व मंत्री, प्रदेश प्रवक्ता शुचि विश्वास एवं सचिन रावत मौजूद रहे। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मा0 श्री अजय राय जी ने कहा कि जिस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी ब्याहता पत्नी को सम्मान नहीं दिया, जिसकी मांग में सिन्दूर डाल कर अपने घर लेकर आए थे, वो देश की महिलाओं को क्या सम्मान देंगे? महिलाओं के आरक्षण की बात नरेन्द्र मोदी का सिर्फ ढकोसला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही महिलाओं को सम्मान देती रही है। सबसे पहले सरोजिनी नायडू जी को उत्तर प्रदेश का राज्यपाल तथा

सुचित्रा कृपलानी जी को प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान किया फिर इंदिरा गांधी जी देश प्रधानमंत्री बनी उसके बाद श्रीमती प्रतिभा ताई पाटिल को देश का राष्ट्रपति बनाया और बाबू जगजीवन राम की पुत्री श्रीमती मीरा कुमार जी को लोकसभा का अध्यक्ष बनाया। जहां तक महिला आरक्षण का सवाल है महिला आरक्षण बिल सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ही लेकर आई और राज्यसभा में उसको पास भी कर दिया गया था। भाजपा यदि ईमानदार होती तो राज्यसभा से पास बिल को लोकसभा में पास करके 2014 से ही महिला आरक्षण लागू कर सकती थी, लेकिन इनका इरादा कभी भी महिलाओं को आरक्षण देने का नहीं था। पिछली बार भी जब यह महिला आरक्षण बिल लाए थे तब भी उसमें कई सवाल छोड़ दिए थे। प्रेसवार्ता को आगे सम्बोधित करते हुए श्री अजय राय ने कहा कि नोएडा में जो घटना घटी है वह बताती है कि सरकार पूरी तरह से शासन चलाने में अयोग्य साबित हुई है और इस मुद्दे पर निर्णय लेने में असफल साबित हुई है। इसका परिणाम है कि नोएडा में आज कई लोग घायल हैं और जिन लोगों पर पुलिस ने बर्बर लाठीचार्ज किया उन्हीं को गिरफ्तार कर लिया गया है। श्री राय ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय लोगों को स्थाई नौकरियां दी जाती थी दूसरों की सरकार आने पर संविदा नौकरियां दी जाने लगी और भाजपा की सरकार में आउटसोर्सिंग के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रूप में नौकरियां दी जा रही है जिसमें एक तरफ नौकरी सुरक्षित नहीं है दूसरी तरफ कम वेतन दिया जाता है और तीसरी तरफ वेतन का बड़ा हिस्सा आउटसोर्सिंग का ठेकेदार खा जाता है। उन्होंने कहा कि अर्न्तराष्ट्रीय नियम भी है और कांग्रेस की सरकार में काम करने का समय मात्र 8 घंटे हुआ करता था जिसको भाजपा सरकार ने बढ़ाकर 12 घंटे कर दिया है। श्री राय ने मांग की है कि मजदूरों का वेतन कम से कम 25 हजार रूपये किया जाए और काम का समय 8 घंटे किया जाए। श्री अजय राय ने 1 से 8वीं कक्षा तक ऐसे शिक्षकों को जो 25–30 सालों से पढ़ा रहे हैं के लिए टेट की परीक्षा अनिवार्य करने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि टेट की परीक्षा जुलाई 2011 से लागू हुई है इसलिए प्रदेश के 1 लाख 75 हजार शिक्षक जिनकी नौकरी इस नियम के कारण खतरे में आ गई है, कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत से उनके साथ खड़ी है, किसी भी हालत में किसी भी शिक्षक की नौकरी समाप्त नहीं होने दी जाएगी और यदि समाप्त होती है तो कांग्रेस सरकार बनने पर उनको पुनः सेवा में बहाल किया जाएगा।

आशुतोष महाराज ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की लखनऊ पुलिस से शिकायत की

लखनऊ,संवाददाता। आशुतोष महाराज ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को लेकर फेसबुक पर अपशब्द लिखे। साथ ही लखनऊ पुलिस से भी शिकायत की। आशुतोष महाराज ने ही शंकराचार्य पर बटुकों से यौन उत्पीड़न की एफआईआर कराई थी। आशुतोष बुधवार को लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पहुंचे और ब्रजेश पाठक के खिलाफ शिकायत दी। इसके बाद आशुतोष महाराज ने कहा ब्रजेश पाठक ने सनातन को बेचने का काम किया है। पहले ब्राह्मणों को बेचा, अब संतों के पीछे पड़ गए हैं। वो शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन करते हैं। उनसे ब्राह्मणों का बदला लूंगा। आशुतोष महाराज ने कहा माघ मेले में इन्होंने इतना बड़ा षड्यंत्र किया। इन्होंने चंद्र प्रकाश उपाध्याय के नंबर से लखनऊ से शंकराचार्य को फोन किया। कहा कि धरना दीजिए। जब तक मैं न आऊं, पानी न पिलाओ, तब तक धरना खत्म नहीं करना है। यह बहुत बड़ा अपराध हुआ है। इससे सनातन को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा थाना प्रभारी ने पहले तो शिकायत लेने से मना कर दिया। फिर हम डीसीपी के पास गए। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच कराएंगे। अगर आरोप में सच्चाई होगी, तो केस दर्ज करेंगे। मेरे पास ब्रजेश पाठक के खिलाफ सबूत हैं। उनके कॉल डिटेल की जांच होनी चाहिए। 2 महीने पहले भी आशुतोष महाराज ने बिना नाम लिए ब्रजेश पाठक पर प्रयागराज माघ मेले में साजिश रचने का आरोप लगाया था। उस वक्त कहा था– माघ मेला साजिश में यूपी के डिप्टी सीएम शामिल हैं। डिप्टी सीएम ने कहा था कि अभी धरना दो, जब हम आएं, तब खत्म करना। 18 जनवरी को मौनी अमावस्या में प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य को पुलिस ने चोटी पकड़कर घसीटा और पिटाई की थी। ब्रजेश पाठक एक महीने तक पूरे मामले में चुप रहे। फिर 16 फरवरी को एक मीडिया इवेंट में उन्होंने कहा था चोटी नहीं खींचनी चाहिए थी। जो भी दोषी है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। चोटी खींचना महाअपराध है। देखिएगा, महापाप लगेगा।

शोरूम और रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, दमकल की 4 गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में बुझाया

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में बुधवार (15 अप्रैल) को मोती महल रेस्टोरेंट और गीतांजलि शोरूम में एसी ब्लास्ट होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज लपटें उठती देख मौके पर भारी भीड़ जुट गई और लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

हंगामेदार रही नगर निगम सदन बैठक, तख्ती टांगकर पहुंचे पार्षद

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ नगर निगम की सदन बैठक बुधवार को सवा दो घंटे तक हंगामेदार रही। सुबह 9 बजे बैठक शुरू होते ही सोलर पैनल पर छूट लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच भाजपा पार्षद नागेंद्र सिंह ने कहा कि किसी को कुछ नहीं आता, चुनाव चिह्न छाता। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल भड़क गईं। उन्होंने कहा कि कोई मां के पेट से सीख कर नहीं आता है। अगर आपको दिक्कत है तो सदन छोड़कर चले जाएं। बोलने का मौका न मिलने का आरोप लगाते हुए भाजपा पार्षद हरिश्चंद्र लोधी, उमेश सनवाल और प्रमोद सिंह राजन सदन से वॉकआउट कर गए। सदन बैठक में देरी से आने पर मेयर ने लायन एनवायर के मालिक रणधीर सिंह को डांट लगाई। पूछा की आप लेट क्यों आए? मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि कई फैसले लिए गए हैं। जिया मऊ की एक जमीन दीन दयाल सेवा न्यास ने नगर निगम को हैंडओवर कर दिया है। एलडीए इसपर नियोजित विकास कराएगा। भाजपा पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने कहा कि सीएम ग्रिड योजना से बन रही सड़क में अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि सोलर पैनल पर भाजपा की तरफ से छूट देने का दावा किया जा रहा था। यह झूठ है सदन में इसका खुलासा हो गया है। सपा पार्षद ममता रावत ने कहा कि क्षेत्र में 20 गाड़ी के बजाए सिर्फ 15 गाड़ी चल रही समस्या बनी हुई है। कोई सुनने वाला नहीं है। लगातार चौलेंज बना हुआ है। चर्चा करने का कोई मतलब नहीं निकल रहा है। भाजपा पार्षद शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि कई पार्षदों को बोलने का मौका नहीं मिला है। फूड वैन शहर में सड़क पर चल रही है। लोगों के चलने का रास्ता नहीं है। नाले की सफाई का रेट बढ़ना चाहिए। भाजपा पार्षद मनीष रस्तोगी ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की संख्या कम है।

नोएडा हिंसा के बीच सीएम योगी की दो टूक-फैक्ट्रियों में बाहरी तत्वों का दखल बर्दाश्त नहीं

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैक्ट्रियों के कामकाज में किसी भी बाहरी तत्व को दखल देने की अनुमति नहीं देने की सलाह देते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के हस्तक्षेप से शांति और प्रगति में बाधा आ सकती है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स के संयंत्र से 10 लाखवीं गाड़ी को हरी झंडी दिखाने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर बड़े पैमाने पर हुई हिंसा और आगजनी के दो दिन बाद की है। नोएडा में बड़ी संख्या में महिला श्रमिकों समेत फैक्ट्री मजदूरों ने वेतन में वृद्धि तथा अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए काम बंद कर दिया था। कुछ जगहों पर यह विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था जिसके चलते आगजनी, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थीं। आदित्यनाथ ने इससे पहले विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के पीछे साजिश की आशंका भी जताई थी, जिसकी फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में टाटा मोटर्स के 34 साल के सफर एक गौरवपूर्ण यात्रा बताया। उन्होंने कंपनी के शीर्ष अधिकारियों और कर्मचारियों तथा दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी परिस्थिति में हमारी फैक्ट्रियों या समूहों के आंतरिक मामलों में किसी भी बाहरी तत्व को दखल देने की इजाजत न मिले। बिगाड़ने वाले बहुत आएंगे, बनाने वाले कम मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर राज्य और समाज आगे बढ़ना चाहते हैं, तो लोगों में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उन संस्थानों और संगठनों का आभारी रहना चाहिए जो रोजगार के अवसर, बच्चों की शिक्षा और युवाओं के विकास के मौके मुहैया कराते हैं और ऐसा करके वे लोगों की जिंदगी संवारने और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। टाटा समूह के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इस कम्पनी ने हजारों परिवारों को रोजी–रोटी कमाने में मदद की है और उनके बच्चों की शिक्षा और प्रगति में सहयोग दिया है। आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे संस्थानों की वजह से ही युवा अपना करियर बना पाते हैं, समाज में सम्मान पाते हैं और अपनी पहचान बनाए रख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता का यह भाव इसलिए जरूरी है क्योंकि यह व्यक्तियों और समाज, दोनों को मजबूत बनाता है और लंबे समय तक चलने वाले विकास और भरोसे को बनाए रखने में मदद करता है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स संयंत्र में 10 लाखवीं गाड़ी बनाने की उपलब्धि हासिल करने में योगदान के लिए टाटा के कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र में बनी बसें आम लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने का काम जारी रखेंगी। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक गिरीश वाघ समेत कई लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 लाखवां वाणिज्यिक वाहन को हरी झंडी दिखाना सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि यह भारत के उदय और एक वैश्विक विनिर्माण हब के तौर पर उत्तर प्रदेश की तैयारी को भी दिखाता है। राज्य के जनसांख्यिकीय लाभ पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की कुल श्रमशक्ति में 56 प्रतिशत से ज्यादा युवा शामिल हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के मुताबिक उन्हें कार्यकुशलता, नवाचार और प्रौद्योगिकी से जोड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि टाटा समूह ने स्टील और ऑटोमोबाइल से लेकर सॉफ्टवेयर और आतिथ्य तक अलग–अलग क्षेत्र में राष्ट्र–निर्माण में अपने योगदान और गुणवत्ता के जरिये लोगों का भरोसा जीता है। दिवंगत रतन टाटा के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स के संयंत्र की स्थापना से हजारों लोगों को सीधे तौर पर और उससे भी अधिक लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार मिला है।

मायावती बोलीं-सिर्फ नीले रंग के इस्तेमाल से कुछ नहीं होगा,दलितों पर सिर्फ बसपा का प्रभाव

लखनऊ,संवाददाता। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कहा हमारे कारवां को पीछे धकेलने के लिए दलित–विरोधी जातिवादी पार्टियां तरह–तरह के हथकंडे अपना रही हैं। ऐसी पार्टियों से हमें सावधान रहना होगा। यही महापुरुषों के लिए सच्ची श्रद्धा होगी। उन्होंने कहा बीते कुछ समय से दलितों को लुभाने के लिए राजनीतिक दल कार्यक्रमों में नीले रंग का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका दलितों पर कुछ असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि दलितों पर सिर्फ बसपा के ही नीले रंग का प्रभाव होता है, किसी अन्य रंग का नहीं। यह बात विरोधियों को ध्यान में रखनी चाहिए। उनकी यह कोशिश कामयाब नहीं होगी। दरअसल, मीरवलार को प्रदेशभर में अंबेडकर जयंती मनाई गई। इसमें सपा कार्यकर्ताओं ने भी जगह–जगह कार्यक्रम आयोजित किए। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश गले में नीला गमछा डाले नजर आए। हजरतगंज में अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। अखिलेश ने भंडारे में गाड़ी रुकवाकर पूड़ी–सब्जी और छोले–चावल खाए थे। मायावती ने महिला आरक्षण पर भाजपा सरकार के निर्णय का समर्थन किया। कहा हम महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% आरक्षण देने के फैसले का स्वागत करते हैं, लेकिन दलित और ओबीसी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा हमारी पार्टी पहले से ही महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 50% आरक्षण देने की मांग करती रही है। अब जब 33% आरक्षण देने की बात की जा रही है तो हम इसका समर्थन करते हैं, जिससे कुछ तो सुधार हो। बसपा मुखिया ने कहा बसपा ने पहले ही महिला आरक्षण की मांग की थी, लेकिन कांग्रेस ने इसे अनसुना कर दिया। बसपा का यही कहना है कि देश में महिलाओं की दैनिक स्थिति को देखते हुए बेहतर यही है कि महिला आरक्षण को दलगत राजनीति से दूर रखते हुए जल्द से जल्द लागू किया जाए। कांग्रेस को भी अपनी संकीर्ण मानसिकता छोड़कर इस बिल का समर्थन करना चाहिए। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक को साथ लाने की रणनीति सफल होने के बाद सपा उसी तर्ज पर विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। सपा दलित वोट खींचने के लिए संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ जैसे मुद्दों को हवा दे रही है। अंबेडकर जयंती पर लखनऊ में अखिलेश ने कहा था कि बाबा साहब का संविधान केवल कागज नहीं है। लोहे की तलवार है, जो समय–समय पर हमें सम्मान दिलाने का कार्य करती है। संविधान हमारे दिल में है। संजीवनी है। हमें न्याय दिलाता है।

संविधान आगे बढ़ने का मौका देता है। उत्तर प्रदेश में दलितों की कुल आबादी 20.7% (लगभग 4.14 करोड़) है। विधानसभा में दलितों के लिए 84 सीटें रिजर्व हैं। हालांकि, 124 से ज्यादा सीटों पर दलित वोट बैंक निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजनीतिक पार्टियों के लिए दलित समाज क्यों जरूरी है?यूपी में दलितों के अंदर 66 उप–जातियां हैं। इनमें 6 प्रमुख उप–जातियां कुल दलित आबादी का 87% हिस्सा रखती हैं। बाकी 60 उप–जातियां बहुत छोटी और बिखरी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में लव जिहाद-लैंड जिहाद की घटनाएं बढ़ीं,विश्व हिंदू रक्षा परिषद का दावा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में बुधवार को विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने लव जिहाद और लैंड जिहाद को लेकर प्रेस वार्ता किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय पीड़ितों के साथ वार्ता में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लगातार हिंदू युवतियों को 'लव जिहाद' और धर्मांतरण के मामलों में निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है, ताकि बेटियां ऐसे षड्यंत्रों से सतर्क रह सकें। उन्होंने मांग की है कि ऐसे मामलों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाए जाएं। गोपाल राय ने कहा कि बहुसंख्यक समाज की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी। बढ़ते हुए मामलों पर रोक लगाने के लिए जरूरी है कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने बताया कि जिला संतकबीर नगर से सितारा चौहान आई हैं। इनकी बेटी प्रीति चौहान को आफताब अंसारी नाम के युवक द्वारा ब्रेनवॉश करके प्रेम जाल में फंसाया गया। उसके बाद आफताब युवती को अपने साथ लेकर फरार हो गया। आरोपी के खिलाफ थाना खलीलाबाद में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, फिर भी अभी तक युवती और आरोपी का पता नहीं चला है। पीड़िता को लगातार धमकियां भी मिल रही हैं। गोपाल राय ने बताया कि इसी प्रकार लखनऊ के गोमती नगर के राजेंद्र कुमार की बेटी शुभाली से एक व्यक्ति ने हिंदू नाम बताकर पहले दोस्ती की। बाद में उसे धार्मिक स्थलों पर ले जाने लगा। धीरे–धीरे धर्म परिवर्तन का दवाव बनाया तब बेटी ने पिता से शिकायत किया। इस तरह के जो मामले सामने आ रहे हैं यह संकेत देते हैं कि प्रदेश मेंसनातन धर्म के खिलाफ एजेंडे के तहत काम किया जा रहा है। गोपाल राय ने कहा कि लव जिहाद के साथ लैंड जिहाद करने वाले भी सक्रिय हैं। पूरे प्रदेश से पीड़ित उनके हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झांसी से आए आकाश साहू ने बताया की उनका पड़ोसी सुवेश खान, जाहीर खान और शान उसके भाई पर जानलेवा हमला करके लगातार दबाव बना रहे है कि अपना मकान उन्हें बेच दें। ऐसा न करने पर हत्या कि धमकी दे रहे हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है एक व्यक्ति उसका मकान लेने की कोशिश की जा रही है।

बेकाबू ट्रक घर में घुसा,लाखों का सामान दबा, बाल-बाल बचा परिवार

लखनऊ,संवाददाता। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अनीपुर गांव में बुधवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे स्थित एक मकान में जा घुसा। इस हादसे में मकान का बड़ा हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना सुबह करीब 10.30 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, केसरीपुर निवासी ट्रक चालक सराफत सस्पन की ओर से रहीमाबाद की तरफ जा रहा था। अनीपुर गांव के पास पहुंचते ही उसने ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन सीधे महेंद्र उर्फ टीटू के घर की दीवारें तोड़ते हुए अंदर घुस गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घर की दीवारें ढह गईं और अंदर रखा सारा कीमती सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय घर के सदस्य उस हिस्से में मौजूद नहीं थे, जहां ट्रक घुसा। इस वजह से एक बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि यदि कोई वहां मौजूद होता तो परिणाम गंभीर हो सकते थे। स्थानीय ग्रामीणों ने ट्रक चालक सराफत पर नशे की हालत में वाहन चलाने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस चालक से पूछताछ कर रही है। हादसे के बाद महेंद्र का परिवार बेघर हो गया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से हुए भारी आर्थिक नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजे की मांग की है, ताकि वे अपने घर की मरम्मत करा सकें।

स्मार्ट मीटर के विरोध में सपा ने मध्यांचल एमडी का ऑफिस घेरा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कार्यकर्ताओं के साथ एमडी मध्यांचल कार्यालय का घेराव किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटर को लेकर जनता को परेशान करने और गुमराह करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान भाजपा सरकार मुर्दाबाद, बिजली विभाग मुरादाबाद के नारे लगाए। विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि पूरे प्रदेश की जनता सरकार से परेशान हो चुकी है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में अनावश्यक रूप से स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। यह स्मार्ट मीटर जनता को बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है। लोगों को बिना विश्वास के लिए आधी अधूरी तैयारी के साथ विभाग इस तरह के काम कर रहा है। सबसे पहली चीज तो स्मार्ट मीटर लगने की प्रक्रिया बेहद गलत है। जहां भी स्मार्ट मीटर लग रहा है उस क्षेत्र में 8 से 10 घंटे बिजली प्रभावित हो रही है। बत्ती गुल होने की वजह से बुजुर्ग बीमार हर कोई परेशान रहता है बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। रविदास ने कहा कि हर दिन हमारे पास क्षेत्र के सैकड़ो लोग अपनी परेशानी लेकर आते हैं। कमाई घटती जा रही है और बिजली का बिल बढ़ता जा रहा है। बिजली आम जनता की सबसे अहम जरूरत है इससे फायदे का व्यापार ना बनाया जाए। उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार यह कर रही है। जनता की तरफ से हमारी मांग है कि जो पुराने मीटर लगे थे वही लगे रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी की जनता यह सरकार बदल देगी अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली कैबिनेट में गरीबों को मुफ्त बिजली दिया जाएगा। रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि यह सरकार जनता को हर दिन एक नया दर्द देती है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से 4 गुना ज्यादा बिल आ रहा है जनता के बीच त्राहिमाम मचा हुआ है। बिल इतना ज्यादा आ रहा है कि लोग जमा नहीं कर पा रहे हैं जिसके बाद एक दिन में बत्ती काट दी जा रही है। इस भीषण गर्मी में लोग परेशान हो चुके हैं। यह जो मीटर लगे हैं यह अडानी के हैं। उद्योगपति को लाभ पहुंचाने के लिए भाजपा सरकार काम कर रही है। बिजली विभाग के लोग जनता को लूटने का काम कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक शिल्पी सिंघल द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी.42, सै.7 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, से मुद्रित कराकर 136/2/17 शिवम विहार, राजपुर रोड देहरादून (उत्तराखंड) देहरादून उत्तराखंड से प्रकाशित किया। संपादक शिल्पी सिंघल,
फोन न. 9311450661,9810400661 किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा देहरादून के न्यायालय में ही होगा Email:-manasvivani@gmail.com website : www.manasvivani.com

सिमरन बग्गा

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं, बवाल मचाने पर आहत होने का अंदेशा होता है

साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों में काम कर चुकीं सिमरन बग्गा अब सनी देओल के साथ फिल्म श्गबरूश में नजर आएंगी। हाल ही उन्होंने इस फिल्म के अलावा करियर की चुनौतियों, इंडस्ट्री में हीरोइनों के बेसिक मुद्दों और मैरिड लाइफ के साथ काम को बैलेंस करने के बारे में श्नवभारत टाइम्सश से बात की। पढ़िएरू साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी–मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की श्तेरे मेरे सपनेश और श्सनम हरजाईश जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह श्गुलमोहरश और श्रॉकेट्री–द नम्बी इफेक्टश जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री श्टूरिस्ट फैमिलीश का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की श्गबरूश में नजर आएंगी। इंडस्ट्री में तीस साल का समय बिता चुकी सिमरन बग्गा जब चेन्नई से मुंबई आईं, तो श्नवभारत टाइम्स से खास मुलाकात की और कई मुद्दों पर दिल खोलकर बातें भी। बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, श्मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में श्तेरे मेरे सपनेश से की थी। इस फिल्म का , श्ओ लड़की आंख मारेश काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की श्सनम हरजाईश से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म श्गबरूश है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।श बवाल मचाने पर आहत होने का अंदेशा होता है कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, श्मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना –अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग–अलग होता है। जिन –जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।श जिन–जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा। इंडस्ट्री में हीरोइनों के बेसिक मुद्दों पर सिमरन बोलीं नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, श्मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने श्जिद्दी गर्लश और श्सिटाडेलश जैसे प्रोजेक्ट और श्गुलमोहरश जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। श्रॉकेट्री–द नम्बीश जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। श्टूरिस्ट फैमिलीश भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी ध्मामाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं। सिमरन बग्गा, एक्ट्रेस रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, श्मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।श मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है सिमरन घर–परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, श्मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है।

नितेश तिवारी की श्रामायणम्श का हाल ही में टीजर रिलीज किया गया, जो इंटरनेट पर आते ही चर्चा में आ गया. फिल्म में राम अवतार में रणबीर कपूर की पहली झलक देखने के लिए मिली. जहां सभी एक्टर के राम लुक की तारीफ कर रहे हैं वहीं, अब रामानंद सागर की श्रामायणश फेम लक्ष्मण यानी कि सुनील लहरी ने इस पर अपना रिएक्शन दिया है. उन्होंने एक्टर के राम अवतार पर सवाल उठाया और उम्मीद जताया कि वह अपनी एक्टिंग से भगवान राम के रोल के साथ न्याय करेंगे. श्रामायणम्श के टीजर पर सुनील लहरी का रिएक्शन 90 के दशक में रामानंद सागर की श्रामायणश में लक्ष्मण के रोल से फेमस हुए अभिनेता सुनील लहरी ने हाल ही में डीएनए से बात की. इस दौरान बातचीत में अभिनेता ने तो पहले फिल्म के टीजर के वीएफएक्स की आलोचना करने से इनकार कर दिया और कहा, श्सिर्फ टीजर के आधार पर फिल्म को जज नहीं सकता मेरे लिए ये एक शोकेस के जैसे है.श एक्टर कहते हैं, श्लेकिन हां मुझे कुछ ऐसी बाते हैं जिन्होंने मुझे परेशान किया है.श श्एनिमलश वाले रणबीर कपूर को श्रामश लुक में देखना मुश्किल! रणबीर कपूर के राम लुक पर बात करते हुए सुनील लहरी ने कहा, श्टीजर में रणबीर ठीक दिख रहे हैं लेकिन उनके चेहरे पर राम जैसी मासूमियत की कमी है.श उनका मानना है, श्जो धैर्य और मासूमियत अरुण गोविल के चेहरे पर दिखी, उसकी कमी लग रही है.श अभिनेता उनके श्एनिमलश वाले कैरेक्टर को लेकर कहते हैं, श्एनिमल के बाद अचानक भगवान राम के रूप में उन्हें देखना दर्शकों के लिए मुश्किल होगा. वह राम के बजाय लक्ष्मण या भरत के किरदार के लिए ज्यादा फिट लगते हैं.श अभिनेता ने आगे उम्मीद जताई कि वह अपनी एक्टिंग से किरदार के साथ न्याय करेंगे. बिना इमोशंस के फिल्म नहीं चलेगी सुनील लहरी ने इस बातचीत में फिल्म की तुलना दुनिया की बड़ी फिल्मों और पुरानी रामायण से की. एक्टर का मानना है, श्एवेंजर्स या टाइटैनिक जैसी फिल्में इसलिए चलीं क्योंकि इसमें इमोशंस बहुत मजबूत थे.श उन्होंने आगे रामानंद सागर की श्रामायणश जिक्र करते हुए कहा, श्भले ही इसमें अच्छा वीएफएक्स या फिर इसका बड़ा बजट नहीं था।

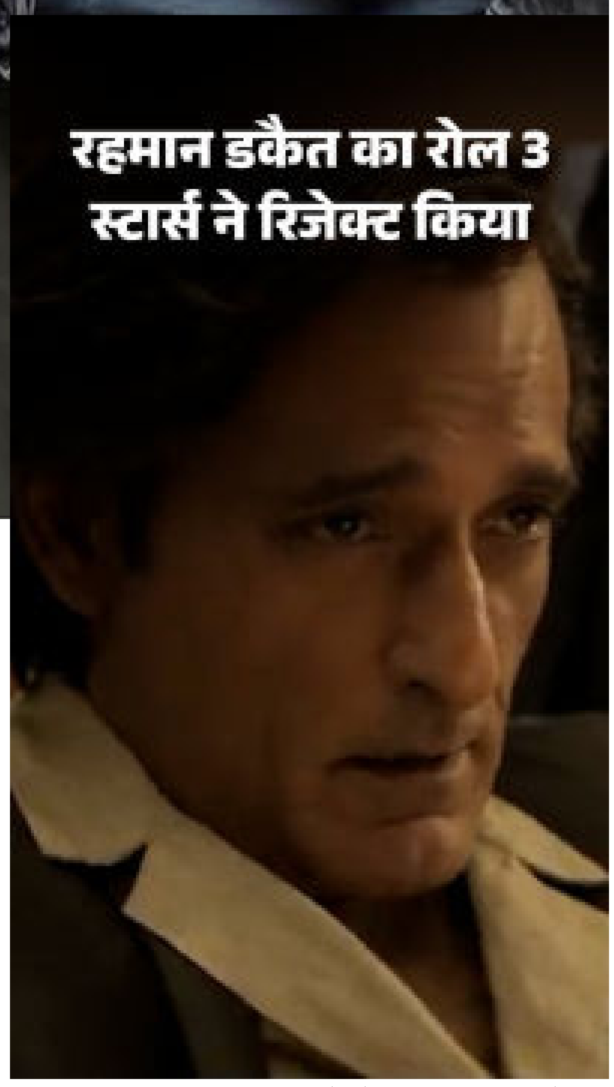

फिल्म धुरंधर की कास्टिंग को लेकर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रहमान डकैत के किरदार के लिए 3 बड़े एक्टर्स ने इनकार कर दिया था। आखिर में यह रोल अक्षय खन्ना को मिला। हाल ही में बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि फिल्म की कास्टिंग आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें करीब 4 घंटे तक फिल्म की कहानी सुनाई गई, जिसे सुनने के बाद वे सदमे में थे और समय का एहसास ही नहीं हुआ। कास्टिंग प्रोसेस करीब दो साल चली मुकेश के मुताबिक, फिल्म के दोनों हिस्सों को मिलाकर करीब 400 कलाकारों की कास्टिंग करनी थी। इसके लिए उन्होंने छह लोगों की टीम बनाई और हर रोल के लिए अलग–अलग तलाश शुरू की। उन्होंने कहा कि डायरेक्टर आदित्य धर ने उन्हें पूरी स्वतंत्रता दी थी और बड़े लेवल पर सोचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कास्टिंग प्रोजेस 2024 से करीब दो साल चली। कास्टिंग के दौरान कई कलाकारों ने अलग–अलग भूमिकाओं के लिए मना कर दिया। हालांकि, मुकेश के अनुसार, डायरेक्टर पूरे समय शांत रहे और उन्होंने नए विकल्प तलाशने को कहा। फिल्म में रणवीर सिंह को हमजा के रोल के लिए शुरुआत में ही फाइनल कर लिया गया था और उन्होंने तुरंत हामी भर दी थी।

तुमपे ही प्यार आ गया अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की केमिस्ट्री ने जीता दिल

बॉलीवुड में रोमांटिक गानों का अपना एक अलग ही जादू होता है, और इसी जादू को एक बार फिर से जिंदा किया है फिल्म जिनी वेडस सनी 2' के नए गाने 'तुमपे ही प्यार आ गया' ने। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इस सॉफ्ट और दिल को छू लेने वाले ट्रैक को रिलीज किया है, जो प्यार के शुरुआती एहसास और दोस्ती से मोहब्बत तक के खूबसूरत सफर को बेहद सादगी और गहराई से दर्शाता है। इससे पहले फिल्म के गाने 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' ने दर्शकों के बीच अच्छी पकड़ बनाई थी, वहीं 'तुमपे ही प्यार आ गया' अपने भावनात्मक स्पर्श और मधुर संगीत के चलते एक अलग पहचान बना रहा है। यह गाना उन लोगों के लिए खास है, जिनकी प्रेम कहानी दोस्ती से शुरू होकर धीरे–धीरे प्यार में बदल जाती है। गाने के वीडियो में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी ने स्क्रीन पर कमाल कर दिया है। दोनों की केमिस्ट्री बेहद नेचुरल और दिलकश लगती है, जो दर्शकों को उनसे जोड़ने में कामयाब होती है। उनके बीच का सहजपन और मासूमियत इस गाने को और भी खास बनाती है। इस खूबसूरत गाने को अपनी आवाज दी है मशहूर सिंगर सोनू निगम ने, जिनकी सोलफुल सिंगिंग हर बार की तरह इस ट्रैक को एक अलग ऊंचाई पर ले जाती है। गाने का म्यूजिक सुषांत–शंकर की जोड़ी ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं, जो सीधे दिल को छूते हैं। गाने को लेकर अविनाश तिवारी ने कहा, "यह ऐसा गाना है जो धीरे–धीरे लोगों के दिल में बस जाएगा। खासकर उन लोगों के लिए यह बेहद रिलेटेबल है, जिनकी लव स्टोरी दोस्ती से शुरू हुई है। सोनू निगम सर की आवाज ने इस गाने को और भी खास बना दिया है। वहीं मेधा शंकर ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो कई मीठी भावनाएं एक साथ महसूस हुईं। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि प्यार के अलग–अलग रंगों को दिखाने वाला एक खूबसूरत एहसास है। सोनू निगम सर का हमारी फिल्म के लिए गाना गाना मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। म्यूजिक डायरेक्टर सुषांत–शंकर ने बताया, इस गाने का मकसद श्रोताओं के दिल में प्यार के पूरे सफर को जिंदा करना था। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक इस गाने को उतना ही प्यार देंगे जितना उन्होंने इसे बनाते वक्त महसूस किया। जिनी वेडस सनी 2', जिसे जी स्टूडियोज और साउंड्यां प्रोडक्शन प्रस्तुत कर रहे हैं, का निर्माण विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल ने किया है। फिल्म को प्रशांत झा ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिलहाल, 'तुमपे ही प्यार आ गया' गाना सोनी म्यूजिक पर रिलीज हो चुका है और सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। यह गाना निश्चित रूप से इस सीजन का नया रोमांटिक एंथम बनने की पूरी क्षमता रखता है।

रैप, रिवेंज और एक्शन का धमाका! 'लुक्खे' का 8 मई को प्राइम वीडियो पर वर्ल्डवाइड प्रीमियर

प्राइम वीडियो ने अपनी नई प्राइम ओरिजिनल सीरीज स्नीम का वर्ल्डवाइड प्रीमियर 8 मई को तय कर दिया है। ये म्यूजिकल एक्शन ड्रामा भारत समेत 240 से ज्यादा देशों में स्ट्रीम किया जाएगा। हिमांक गौर के निर्देशन में बनी 'लुक्खे' पंजाब, खासकर चंडीगढ़ की बैकग्राउंड पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। यहां रैप कल्चर, क्राइम और महत्वाकांक्षा टकराते हैं, और कहानी बदले और मुक्ति की गहरी भावनाओं के इर्द–गिर्द घूमती है। इस सीरीज में राशी खन्ना लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं मशहूर रैपर किंग इस सीरीज के जरिए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत कर रहे हैं। इसके अलावा पलक तिवारी भी अपने ओटीटी डेब्यू के साथ अहम भूमिका निभाती दिखेंगी। कहानी दो रैपर्स एमसी बदनाम और ओजी की है, जिनकी पर्सनल दुश्मनी एक बड़े टकराव में बदल जाती है। यहां कला और दुश्मनी की लाइन धुंधली हो जाती है, और कहानी एक्शन, म्यूजिक और इमोशन का जबरदस्त मिक्स बन जाती है। लुक्खे' में गोलियों की आवाज, तेज रफ्तार एक्शन और दमदार रैप म्यूजिक का ऐसा कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा जो इसे बाकी सीरीज से अलग बनाता है। सीरीज का बेसिक आइडिया साफ है "रैप और बदला, दोनों लाउड हैं। सीरीज के मेकर्स और प्राइम वीडियो टीम का कहना है कि 'लुक्खे' एक अलग तरह का एक्सपेरिमेंट है, जिसमें मल्टी–जॉनर स्टोरीटेलिंग और इमोशनल डेप्थ दोनों देखने को मिलेंगे।

बर्फीली वादियों में रोमांस, रणबीर–आलिया ने स्विट्जरलैंड में मनाई 4जी एनिवर्सरी

बॉलीवुड के क्यूटेस्ट कपल्स में गिने जाने वाले रणबीर कपूर और आलिया ने 14 अप्रैल 2022 को शादी रचाई थी। आज ये स्टार कपल अपनी 4जी वेडिंग एनिवर्सरी मना रहा है, जिसे उन्होंने स्विट्जरलैंड की खूबसूरत बर्फीली वादियों में खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। इस खास मौके की झलकियां आलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर की हैं।

शेयर की गई तस्वीरों में रणबीर और आलिया बेहद खुश नजर आ रहे हैं। एक फोटो में दोनों साथ में स्माइल करते हुए पोज दे रहे हैं। इस दौरान आलिया ब्लैक स्वेटर में काफी क्यूट लग रही हैं, वहीं रणबीर ग्रे स्वेटर और कैप में स्टाइलिश दिख रहे हैं। एनिवर्सरी ट्रिप के दौरान कपल ने एडवेंचर का भी भरपूर मजा लिया। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच दोनों ने स्कीइंग की और उसके बाद कैमरे के सामने पोज देते हुए अपनी खुशी जाहिर की। इसके अलावा, कपल ने ठंड के मौसम में गर्मागर्म कॉफी का आनंद भी लिया। एक तस्वीर में दोनों हाथ में कॉफी मग लिए नजर आ रहे हैं, जो उनके रोमांटिक वेकेशन को और खास बना रहा है। आलिया ने अपने पोस्ट में स्विट्जरलैंड की हसीन वादियों की झलक भी दिखाई है, जहां चारों तरफ बर्फ से ढके पहाड़ इस ट्रिप को और भी यादगार बना रहे हैं। स्कीइंग के बाद कपल ने कैंडल लाइट डिनर का लुत्फ उठाया। एक तस्वीर में आलिया टेबल पर सजी मोमबत्तियों और फूलों के साथ नजर आ रही हैं, जिससे उनका डिनर डेट काफी रोमांटिक लग रहा है। आलिया ने एक प्यारी सी झलक भी शेयर की, जिसमें रणबीर अपनी बेटी के साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। इस खास पोस्ट के साथ आलिया ने रणबीर के लिए एक भावुक मैसेज भी लिखा, जिसमें उन्होंने साथ बिताए हर छोटे–बड़े पल को खूबसूरत बताया और अपने रिश्ते के लिए प्यार जताया।

विश्व कला दिवस पर युवा चेतना पुस्तकालय में पेंटिंग प्रतियोगिता, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

बस्ती। शहर से सटे मिश्रौलिया स्थित युवा चेतना पुस्तकालय में विश्व कला दिवस के अवसर पर विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली एवं युवा विकास समिति, बस्ती के संयुक्त तत्वावधान में पुस्तकालय अभिमुखीकरण एवं आर्ट–पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. नवीन सिंह ने किया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि कला मनुष्य के व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है और बच्चों में रचनात्मकता, अनुशासन व संवेदनशीलता का विकास करती है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ–साथ कला का अभ्यास भी आवश्यक है, जिससे विद्यार्थी मानसिक रूप से सशक्त बनते हैं। विशिष्ट अतिथि बबिता गौतम ने कहा कि कला हमारे जीवन को सुंदर और संतुलित बनाती है। बच्चों को बचपन से ही पेंटिंग, संगीत और अन्य कलाओं से जोड़ना चाहिए, ताकि उनमें सकारात्मक सोच विकसित हो सके। मुख्य वक्ता अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि कला समाज का दर्पण होती है। इसके माध्यम से हम अपनी भावनाओं और विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी

रचनात्मक प्रतिभा को पहचानें और उसे निखारें। मंगला प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ कला का समन्वय बहुत जरूरी है। कला न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। प्रिंस यादव ने कहा कि आज के डिजिटल युग में बच्चों का कला से दूर होना चिंता का विषय है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को मोबाइल से हटाकर सृजनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करते हैं। संस्था के सचिव बृहस्पति कुमार पाण्डेय ने बताया कि विश्व युवक केंद्र और युवा विकास समिति द्वारा संचालित निःशुल्क युवा चेतना पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए पुस्तकों का विशाल भंडार उपलब्ध है। साथ ही हर माह हिंदी–अंग्रेजी की प्रतियोगी पत्रिकाएं, अखबार एवं जर्नल भी उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे युवाओं को बेहतर अध्ययन का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय न केवल प्रतियोगियों के लिए वरदान साबित हो रहा है, बल्कि साहित्य, कला एवं अन्य विषयों में रुचि रखने वाले लोगों को भी पठन–पाठन से जोड़ने में सफल है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से पुस्तकालय से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में पेंटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में तूलिका पाण्डेय, सिद्धार्थ, रक्षित सिंह सोलंकी, हर्ष देव पाण्डेय, अदम्य, अन्वी मौर्या, आर्यन मौर्य, कुणाल पाण्डेय, अमृतांश पांडे, मानवी तिवारी, महिमा तिवारी एवं अगम पाण्डेय का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस अवसर पर माधुरी, राम विलास मौर्य, संजय कुमार गौतम एवं शुभम जायसवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गाली गलौज करते हुए पैसा छीनने का किया प्रयास

लालगंज रायबरेली। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के ऐहार निवासी सूर्य प्रसाद मिश्रा पुत्र रामनाथ ने पूरे बालेश्वर मजरे ऐहार गांव निवासी भागीरथ लोधी पुत्र वली के खिलाफ पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। सूर्य प्रसाद मिश्रा 85 वर्ष के वृद्ध व्यक्ति हैं। वे बाबा बाल्हेश्वर के दर्शन करने रोज जाते हैं। रोज की तरह बुधवार को भी दोपहर में गए थे, वापस लौटते समय नहर की पटरी पर भागीरथ लोधी ने उन्हें रोक लिया और पैसा छीनने के प्रयास में उनकी जेब में हाथ डाल दिया। सूर्य प्रसाद मिश्र ने बताया कि उनकी जेब फट गई लेकिन पैसे भागीरथ नहीं छीन पाया। हालांकि सूर्य प्रसाद मिश्र ने भागीरथ लोधी के ऊपर हाथापाई कर धक्का देकर गिराने का आरोप लगायाहै। वहीं पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर शहीद कर्मियों को दी श्रद्धांजलि

बरेली। अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग द्वारा मंगलवार को जनपद बरेली के सभी अग्निशमन केंद्रों पर अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वर्ष 1944 में मुंबई के विक्टोरिया बंदरगाह पर लगी भीषण आग को बुझाते समय शहीद हुए 66 अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। गौरतलब है कि 14 अप्रैल 1944 को बम्बई के विक्टोरिया बंदरगाह पर 'फोर्ट स्टीकने' नामक जहाज में भीषण आग लग गई थी। आग पर काबू पाने के प्रयास में बम्बई अग्निशमन सेवा और बंदरगाह अग्निशमन सेवा के 66 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इन्हीं शहीदों की स्मृति में प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को पूरे देश में अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए समाज में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। विभाग की ओर से बताया गया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम "सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज दृ आग की रोकथाम के लिये एक साथ" निर्धारित की गई है। अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जनपद के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों एवं आवासीय क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल तथा फायर ऑडिट आयोजित किए जाएंगे, ताकि आमजन को आग से बचाव एवं आपात स्थिति में सही कदम उठाने की जानकारी दी जा सके। अग्निशमन विभाग के अनुसार जनपद बरेली में वर्तमान में 08 अग्निशमन केंद्र संचालित हैं, जहां 141 अधिकारी एवं कर्मचारी "त्राणाय सेवा महे" के संकल्प के साथ आधुनिक अग्निशमन वाहनों एवं उपकरणों के माध्यम से जनता की सेवा में तत्पर हैं। विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में कुल 694 अग्निकांड की घटनाओं पर सफलतापूर्वक काबू पाया गया, जिसमें 360 लोगों की जान बचाई गई। साथ ही लगभग 1 अरब 8 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को सुरक्षित बचाया गया। इसके अतिरिक्त वर्षभर में 729 मॉक ड्रिल एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं वर्ष 2025–26 के दौरान विभिन्न जुलूसों, त्योहारों तथा वीआईपी वीवीआईपी कार्यक्रमों में अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जनपद में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला आरक्षण संशोधन का समर्थन, मगर मुस्लिम महिलाओं को सियासत से दूर रहने की सलाह

बरेली। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शाहबुद्दीन रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला आरक्षण बिल में किए गए संशोधन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश की आधी आबादी को बराबरी दिलाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। मौलाना ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक महिलाएं संसद पहुंचें, जिससे महिला नेतृत्व को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। हालांकि, मौलाना ने मुस्लिम महिलाओं को सियासत से दूर रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि आज की सियासत पहले जैसी नहीं रही, बल्कि यह मक्र और फरेब का जाल बन चुकी है। उनके अनुसार, सियासी मैदान महिलाओं के लिए सम्मानजनक नहीं है और इसमें बेपर्दगी जैसी स्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। मौलाना ने इस्लामी नजरिए का हवाला देते हुए कहा कि इस्लाम में महिलाओं को घर की जीनत माना गया है और उनकी सुरक्षा, सम्मान और मर्यादा को सर्वोपरि रखा गया है। ऐसे में मुस्लिम महिलाओं को इस तरह की सियासत से दूर रहना ही बेहतर है। उन्होंने आगे कहा कि महिला आरक्षण बिल के तहत 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद कोई भी महिला चुनाव लड़ सकती है और नेतृत्व कर सकती है, लेकिन मुस्लिम महिलाओं को मौजूदा सियासी माहौल से दूर रहकर अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए

'बैसवारा महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण के द्वितीय चरण फेज 5 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लालगंज रायबरेली। जिले के प्रतिष्ठित एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी, नैक द्वारा प्रत्यायित ग्रेड बी बैसवारा महाविद्यालय, लालगंज में महिला सशक्तिकरण के द्वितीय चरण फेज–5 के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

खबर का हुआ जिला अस्पताल में असर ,भेदभाव भी चरम पर

रायबरेली। जिला अस्पताल में आज भी मरीज के साथ भेद भाव किया जा रहा है ।अंबेडकर जयंती पर जहां सभी देशवासियों ने भेदभाव और ऊच न नीच मिटाकर एक नया हिंदुस्तान बनाने की कसम खाई है। वहीं जिला अस्पताल के वार्ड नंबर 2 और 3 में जब आज टीम ने निरीक्षण किया तो वहां पर उन्हें अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ भेदभाव जमकर देखने को मिला। बताते चले कि इससे पहले चौनल ने खबर चलाई थी कि अस्पताल में मरीजों को बैठने के लिए स्टूल तक की व्यवस्था नहीं है। जिसको संज्ञान में लेकर जिला अस्पताल प्रशासन ने जिस वार्ड नंबर 2 की खबर चली थी वहां पर तो कुछ बेड़ों के नीचे बेंच रखवा दी । लेकिन जब टीम वार्ड नंबर 3 में पहुंची तो उसे वहां के हालात इस तरह दिखे ना तो मरीजों के बेड के नीचे कोई बर्तन था जिसमें कि वह अपना हाथ या उलटी पलटी कर सकें और ना ही उनके साथ आए तिमादारों को बैठने की कोई व्यवस्था की गई थी । आज भी वहां पर पायदान रखकर दिमागदारों को बैठने और इसी पायदान पर चढ़कर मरीजों को बेड पर बैठने की व्यवस्था जिला अस्पताल प्रशासन ने दे रखी है। वार्ड नंबर 3 में तो कम से कम कुछ प्लास्टिक की बाल्टियां रख कर मरीज को संतुष्ट किया जा रहा है कि वह उसमें ही अपना हाथ या जो भी इस्तेमाल करना चाहे वह कर सकते हैं। लेकिन अन्य वार्ड में यह व्यवस्था न होने के कारण साफ दिखाई देता है कि जिला अस्पताल में मरीजों के साथ किस तरह का भेदभाव किया जाता है कि एक मरीज को तो सुविधा दी जाती हैं दूसरे वार्ड के मरीजों को उन्हीं सुविधाओं से वंचित कर दिया जाता है। कहने को तो जिला अस्पताल बाहर से इतना चमकदार नजर आता है कि देखने वाला उसे देखा ही रह जाता है लेकिन जब अस्पताल के भीतर मरीजों से हाल पूछा जाता है तो उनका बताने का जो अंदाज होता है उसे सुनकर तो लगेगा ही नहीं की यह अस्पताल है। बल्कि यह लगता है कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को शमशान घाट का रास्ता बताने का प्रयास किया जा रहा है और यदि कोई मरीज इसका विरोध कर दे या इसकी शिकायत दर्ज करवा दे तो आप यह जान लीजिए कि उसका लखनऊ या फिर रायबरेली एम्स में ट्रांसफर होना पक्का है दूसरी तरफ सरकार कहती है कि हम गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था देंगे। तो उसे एक बार जिला अस्पताल राणा बेनी माधव सिंह में आकर देखना चाहिए।

आलमपुर पंचायत भवन स्थित शहीद स्मारक स्थल के पास दिनेश ने 125 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का किया अनावरण

लालगंजरायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने लालगंज पहुंचकर आलमपुर पंचायत भवन में स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और 125 फीट ऊंचे तिरंगे को लहराकर उसका अनावरण किया। उन्होंने तिरंगे को नमन करते हुए कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर समता मूलक राजनीति के साथ–साथ सच्चे राष्ट्रभक्त थे। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में जन्मे बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने छुआछूत और भेदभाव के घोर अंधेरे को चीरकर ज्ञान का प्रकाश फैलाया। विपरीत परिस्थितियों में कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च शिक्षा लेकर वे 'सिंबल ऑफ नॉलेज' कहलाए। भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी के रूप में उन्होंने हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिया। 135वीं जयंती पर हमें उनके समतामूलक भारत के सपने को साकार करने का संकल्प लेना चाहिए। स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और प्रदेश की सरकार डॉक्टर अंबेडकर के बताए हुए रास्ते पर चलकर दलित पिछड़े सबके विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद अगर दलित पिछड़ों के लिए सबसे अधिक किसी सरकार ने काम किया है तो वह मोदी और योगी सरकार है। उल्लेखनीय है कि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली जनपद के हरचंद्रपुर ,गंगागंज बछरावां सहित कई स्थानों पर 125 फीट ऊंचे तिरंगे की स्थापना कराई है। लालगंज में भी 125 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण कर उन्होंने उसे सलामी देने का काम किया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने किया।जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी ने अंबेडकर जन्म जयंती पर सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामना देते हुए कहा कि संविधान निर्माता हम सबके प्रेरणा स्रोत हैं। मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने स्वागत उद्बोधन करते हुए कहा कि लालगंज में 125 फीट तिरंगा प्रेरणा स्थल बनवाकर मंत्री जी ने सराहनीय कार्य किया है। आभार प्रदर्शन पूर्व मंडल अध्यक्ष बच्चा पांडे ने किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अमित कुमार का भी सराहनीय योगदान रहा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को बड़ी माला पहनकर उनका अभिनंदन भीकिया। उस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिव प्रकाश पांडे, भाजपा नेता राजेश सिंह फौजी , अरुण कुमार सिंह ,डॉक्टर अविनाश कुमार सिंह, कैलाश बाजपेई,राम प्रताप सिंह, सुरेंद्र गुप्ता ,बीके सिंह ,सुनील मिश्रा, राजेश निर्मल, अखिलेश बाजपेई, संजय बाजपेई, सत्येंद्र बहादुर सिंह, बबलू तिवारी सभासद,यतीन सिंह, बच्चा सिंह प्रधान, महेश सोनी, अवधेश सविता ,श्याम दीक्षित आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीवों की सेवा व कल्याण का प्रत्येक कार्य प्रशंसनीय: विश्नोई

बाड़मेर। थार में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों की जल सेवा में जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से अलग–अलग स्थानों पर मिट्टी के परिण्डे लगाएं जा रहे है। जिस कड़ी में बुधवार को एसआई बगडूराम विश्नोई एवं संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन के नेतृत्व में कुशल वाटिका जैन तीर्थ के पावन प्रांगण में पक्षियों की जल सेवा में 50 मिट्टी के परिण्डे लगाएं गए। संस्थान से जुड़े पवन सिंघवीं ने बताया कि जन कल्याण संस्थान की ओर से प्रतिदिन नियमित रूप से शहर व उसके आसपास के इलाकों में पक्षियों की जल सेवा में मिट्टी के परिण्डे एवं पक्षियों के चुग्गे के लिए छोटे–छोटे चबूतरे लगाएं जा रहे है। जिसमें बुधवार को कुशल वाटिका प्रांगण में 50 परिण्डे व चबूतरे लगाएं गए। तथा गौरैया संरक्षण का संकल्प लिया गया। एसआई बगडूराम विश्नोई ने मिट्टी के परिण्डे लगाते हुए कहा कि जीवों की सेवा व कल्याण के लिए किया गया प्रत्येक कार्य प्रशंसनीय व अनुमोदनीय है। विश्नोई ने कहा कि जन कल्याण संस्थान की ओर से पिछले कई वर्षों से किये जा रहे सेवा व कल्याण के कार्य अनुकरणीय है। संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि संस्थान का जीवों की सेवा व कल्याण ही प्राथमिक उद्देश्य है। जिसको लेकर संस्थान जन–सहयोग से सतत कार्य कर रही है। संस्थान की ओर से जल कुण्डी, परिण्डा, शीतल जल प्याऊ, एक घर एक पौधा अभियान, गौसेवा, चबूतरा अभियान, पक्षी घर आदि जीव सेवा व कल्याण के कार्य किये जा रहे है। इस दौरान एसआई बगडूराम विश्नोई, मुकेश अमन, बाबुलाल बोथरा, पीटीआई राजेश जोशी, डालूराम सेजू, प्रकाश विश्नोई, जोगाराम, देवेन्द्र शर्मा, शंकर गिरी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नारी शक्ति वन्दन के तहत कार्यक्रम हुआ आयोजित

लालगंज रायबरेली। शासन द्वारा आयोजित नारी शक्ति वन्दन कार्यक्रम अभियान के तहत आज बैसवारा इण्टर कॉलेज की प्रधान लिपिक श्रीमती निरुपमा सिंह के उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यो के लिये प्रधानाचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह , कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ल मंत्री ,डॉ. शालिनी साहू के द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया ।लिपिक दीप सोनकर और दिनेश सिंह ने पुष्प भेंटकर एवं महिला शिक्षिका डॉ. संजू सिंह, सीमा वर्मा, सरिता, प्रियांशी, सपना, रीता, रीना ने माला पहनाकर भव्य स्वागत किया । प्रधानाचार्य डॉक्टर नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि निरुपमा सिंह को जो भी कार्य आवंटित होता है ,समय से और गुणवत्ता पूर्ण ढंग से करती हैं। इस अवसर पर सोमेश सिंह, रणधीर सिंह, पुनीत तिवारी, राम जी लाल श्रीवास्तव, अजय, जितेन्द्र मौर्य, राजेन्द्र राठौर , सुधीर पाण्डेय, फूल सिंह, सुनील त्रिपाठी , इन्द्रेश बाजपेयी, आशीष सिंह,जीत बहादुर सिंह, प्रेमशंकर, मोहित आदि समस्त स्टॉफ ने शुभकामनाएँ प्रेषित की।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह समिति की बैठक संपन्न

लालगंजरायबरेली। श्री परशुराम भगवान जन्मोत्सव समारोह समिति की बैठक लालगंज सीएमपीएस इंटर कॉलेज में बुलाई गई। बैठक में श्री परशुराम भगवान जन्मोत्सव कार्यक्रम की कार्य योजना बनाई गई। श्री परशुराम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला ने कहा कि हम सब मिलकर श्री परशुराम भगवान जन्मोत्सव का कार्यक्रम मनाएंगे। हिंदू धर्म के जागरण का कार्य समाज को साथ लेकर ही संभव है। हम सबको समाज में निकल कर हिंदू धर्म की सनातन संस्कृति और परंपराओं को एक बार फिर से जागृत करना होगा। अखिल भारतीय परशुराम परिषद के प्रदेश अध्यक्ष दीप प्रकाश शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में धार्मिक कार्यों में लगे प्रबुद्ध जनों का सम्मान भी होगा। कार्यक्रम लालगंज नगर के श्री हनुमानगढ़ी उत्सव लान में 19 अप्रैल को सुबह 10 बजे से होगा। बैठक का संचालन अशोक शुक्ला के द्वारा किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री हनुमान मंदिर कमेटी के अध्यक्ष चंद्र कुमार तिवारी ने की।इस बैठक में विवेक शर्मा, देवेश अग्निहोत्री, कैलाश बाजपेई ,राजन अवस्थी ,संजय चड्ढा, देवेंद्र अवस्थी ,राजेंद्र यादव ,सुरेंद्र गुप्ता, चंदन त्रिवेदी,अवनीश पांडे ,बृजेश द्विवेदी, विनोद द्विवेदी, हरिकेश मिश्रा, अनिल बाजपेई, प्रदीप पांडे, मंटूबाजपेई, विश्वास बाजपेई , कृष्णा त्रिवेदीआदि शामिल रहे।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर संघ कार्यालय में हुआ वृक्षारोपण

लालगंजरायबरेली। डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आरएसएस कार्यालय लालगंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिला प्रचारक अजीत,नगर प्रचारक पुष्पम, रविशंकर बाजपेई ,शीतला गुप्ता , गणेश बाजपेईने वृक्षारोपण कर समाज को एक विशेष संदेश देने का काम किया और कहा कि महापुरुषों की जन्म जयंती पर वृक्षारोपण सहित अन्य जन जागरूकता के कार्यक्रम करने चाहिए। जिला प्रचारक ने कहा कि डॉ अंबेडकर राष्ट्र प्रेमी होने के साथ–साथ पर्यावरण प्रेमी भी थे। उन्होंने कहा कि हम सबको संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा बताए हुए रास्ते पर चलकर समता मूलक समाज बनाने की दिशा में कार्य करते रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 12 अप्रैल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लालगंज के द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में शामिल होकर डॉक्टर अंबेडकर के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित की थी।

बरेली में अपराधियों पर पुलिस की बडी कार्रवाई दो दिन में 42 हिस्ट्रीशीटर चिह्नित, 25 कुख्यात पर कसी नकेल

बरेली। जनपद में कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में बरेली पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। बीते दो दिनों में पुलिस ने कुल 42 अपराध प्रवृत्ति के व्यक्तियों की हिस्ट्रीशीट खोलकर उन्हें निगरानी में लिया है, वहीं इनमें से 25 कुख्यात अपराधियों की क्लास 'बी' हिस्ट्रीशीट खोलते हुए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, चिन्हित किए गए ये अपराधी लंबे समय से चोरी, नकबजनी, लूट, छिनैती, हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट, मादक पदार्थ तस्करी, धोखाधड़ी, रंगदारी, गोकशी, पशु क्रूरता और जुआ जैसे गंभीर अपराधों में सक्रिय थे। इनके खिलाफ विभिन्न थानों में कई–कई मुकदमे दर्ज हैं। इन 25 कुख्यात अपराधियों पर कार्रवाई क्लास 'बी' हिस्ट्रीशीट खोलने वाले अपराधियों में दानिश उर्फ अफताब (कैंट), जावेद (भोजीपुरा), रोहित उर्फ कल्लू, रवि उर्फ रवि राणा, गुड्डू उर्फ मसरूर, गौरव पुत्र बब्लू, संगम गुप्ता, आकाश गुर्जर, विक्की, उस्मान उर्फ पाशा, अजय उर्फ गुल्ला (सभी थाना सुभाषनगर क्षेत्र), सुमित सक्सेना, शिवम उर्फ गोलू, मो. फरहद खां उर्फ गुड्डू, सचिन कुमार, राहुल मौर्या, अकील उर्फ गुड्डू, विकास कश्यप, सलमान (सभी थाना इज्जतनगर क्षेत्र), राशिद सैफी उर्फ राजू उर्फ लौहार, फारूख उर्फ फारूक कुरैशी, इस्लाम अली, रईस उर्फ सोना, मुशर्रफ खां (थाना आंवला) तथा बबलू उर्फ बौरा (थाना नवाबगंज) शामिल हैं। कई संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमे इन अपराधियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराएं 147, 148, 149, 307, 323, 379, 411, 420, 467, 468, 471 के अलावा आयुध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मुकदमे दर्ज हैं। कुछ मामलों में 102ध्41 सीआरपीसी जैसी धाराओं में भी कार्रवाई की गई है। थानों को दिए गए सख्त निर्देश एसएसपी अनुराग आर्य ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा, "जनपद में अपराध और अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है।